सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 51 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 4 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

वायुसेना का ट्रेनर एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में भारतीय वायुसेना के एक ट्रेनर एयरक्राफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर है। घटना तेलंगाना के मेदक जिले की है। हादसे के वक्त विमान में एक ट्रेनर पायलट और एक ट्रेनी पायलट मौजूद थे। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई है। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के डिंडीगुल स्थित एयर फोर्स एकेडमी से सुबह के समय ट्रेनर विमान ने उड़ान भरी थी। जिसके बाद सुबह 8.55 बजे यह विमान हादसे का शिकार हो गया। हादसे का शिकार हुआ विमान Pilatus PC 7 Mk II एयरक्राफ्ट था। वायुसेना ने बताया कि ट्रेनर विमान रुटीन उड़ान पर था। हादसे में दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हादसे में किसी आम नागरिक या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है। वायुसेना ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

लकड़बग्घे का आतंक: युवक पर किया हमला; इलाज के दौरान मौत

जगदलपुर। केशकाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेड़मा पटवारीपारा में दो लकडबग्घे ने एक युवक पर रविवार की शाम हमला कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और घायल को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले के बारे में जानकारी देते हुए केशकाल थाना प्रभारी ने बताया कि बेड़मा पटवारीपारा में एक युवक पैदल जा रहा था। तभी अचानक दो लकड़बग्घे ने हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद घायल को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं मिले हैं। जिससे इसकी पहचान नहीं हो पा रही है। जिसके बाद केशकाल पुलिस ने मृतक के फोटो को सोशल मीडिया ग्रुप में शेयर करते हुए मृतक के बारे में जानकारी जुटाई है।

नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक अचानक रद्द कर भाजपा के प्रभारी दिल्ली रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। पूर्ण बहुमत आने के साथ ही भाजपा में नई सरकार गठन को लेकर कवायद शुरू हो गई है। रविवार दोपहर तक भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलता देख सीनियर नेता रायपुर पहुंचे थे। आज नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक भी होनी थी, लेकिन इस बैठक को अचानक रद्द कर भाजपा के वरिष्ठ नेता दिल्ली लौट गए हैं। हालांकि बैठक रद्द करने की वजह फिलहाल सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर सारी कवायद दिल्ली से होनी है, ऐसे में रायपुर में विधायकों की बैठक लेने का कोई औचित्य नहीं है। रविवार को भाजपा के छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी नितिन नवीन राजधानी आए थे। इन्हीं तीनों नेताओं को विधायकों की बैठक भी लेनी थी।

नई सरकार के लिए भाजपा के सीनियर नेता चेहरे तय करने में जुट गए हैं। रविवार को नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक लेने के लिए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज सोमवार 11 बजे का वक्त तय किया गया था, लेकिन ऐन वक्त पर इस बैठक को रद्द कर दिया गया। आज सुबह तक कई विधायक रायपुर पहुंच चुके थे। उन्हें अपने-अपने क्षेत्र में लौटने को कह दिया गया है। इधर, नए मुख्यमंत्री को लेकर कयास शुरू हो गए हैं। पार्टी के भीतर ही पिछड़ा वर्ग और आदिवासी चेहरों को लेकर चर्चाएं चल रही है। हालांकि संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी आलाकमान मिशन 2024 के हिसाब से ही सीएम का चेहरा तय करेगा। पार्टी ने 5 साल बाद सत्ता में वापसी की है, लेकिन संभावना है कि इस बार उसका चेहरा और कामकाज का तरीका अलग हो सकता है। इससे पहले तय किया गया था कि पार्टी नेता सभी विधायकों से फेस टू फेस बात करेंगे और उनका मानस टटोलेंगे। यह भी संभावना जताई जा रही थी कि इस बैठक में मुख्यमंत्री का नाम भी तय हो सकता है। अचानक बैठक रद्द करने और भाजपा नेताओं के दिल्ली लौटने को लेकर भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

कौन होंगे वे 13 चेहरे?

छत्तीसगढ़ में भाजपा की नई सरकार के मुखिया और उसके 12 मंत्रियों को लेकर जनता में उत्सुकता बढ़ गई है। राज्य में मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर अभी संशय है क्योंकि भाजपा ने इस बार मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए बिना ही चुनाव लड़ा था। ऐसे में भाजपा की इस जीत को लेकर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वे अन्य पिछड़ा वर्ग समाज (ओबीसी) का बड़ा चेहरा हैं। साथ ही छत्तीसगढ़िया छवि के लिए भी जाने जाते हैं। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को भी भाजपा को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा, क्योंकि भाजपा ने रमन सरकार के 15 वर्ष के कार्यकाल के विकास कार्यों को ही इस चुनाव में भी अपना विकास रूपी मुद्दा बनाया था। प्रदेश में आदिवासी चेहरा की भी मांग उठती रही है। ऐसे में सरगुजा संभाग से पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय और महिला मुख्यमंत्री के रूप में बस्तर से भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी भी मुख्यमंत्री पद के लिए प्रबल दावेदार हैं।

इनमें से हो सकते हैं नई सरकार के मंत्री

नई सरकार के मंत्री के प्रबल दावेदारों में बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, केदार कश्यप, राजेश मूणत, विक्रम उसेंडी, भैयालाल राजवाड़े, पुन्नूलाल मोहिले, रेणुका सिंह, दयालदास बघेल, गोमती साय, विजय शर्मा का नाम शामिल है। विजय शर्मा ने कवर्धा में मोहम्मद अकबर को करारी शिकस्त दी है, जो कांग्रेस पार्टी के बड़े मुस्लिम चेहरे थे। सत्ता संतुलन के लिहाज से भाजपा आदिवासी, सतनामी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के बीच सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर सकती है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल की है। बीजेपी ने 5 साल के बाद फिर से वापसी की है। इस जीत के जश्न के रूप में और भावी कार्ययोजना तैयार करने के लिए ही नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई गई थी, जिसे स्थगित किया गया है।

5 साल भ्रष्टाचार में लिप्त रही कांग्रेस- रमन

कांग्रेस की हार को लेकर पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह का बयान आया है। उन्होने कहा कि कांग्रेस 5 साल तक भ्रष्टाचार में लिप्त रही, जिसके आतंक से जनता मुक्त होना चाहती थी। उन्होने कहा कि प्रदेश की जनता भूपेश के चेहरे को हटाना चाहती थी। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ का शोषण किया है। जनता ने बस्तर से सरगुजा तक सब कुछ बदल कर दिखा दिया है। डॉ. रमन ने कहा कि जनता ने भूपेश के चेहरे को बदलने के लिए सारे मंत्रियों को हटा दिया। यहां तक कि उपमुख्यमंत्री को भी हरा दिया। खुद मुख्यमंत्री बाल-बाल बचे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि 'अब नहीं सहिबो बदल के रहिबो' प्रधानमंत्री ने एक बार कहा और गांव-गांव का बच्चा-बच्चा इसे दोहराता रहा। छत्तीसगढ़ में नया सवेरा आएगा, खुशहाली के साथ विकास होगा।

चौधरी का नाम भी सुर्खियों में

वहीं, इस चुनाव में यूथ आइकान रहे और ओबीसी के युवा व सशक्त चेहरे के रूप में ओपी चौधरी का नाम आगे रहा है। वह भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बताए जा रहे हैं। इनमें से किसी एक को उपमुख्यमंत्री भी बनाया जा सकता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर विधायक दल की बैठक में सहमति मिलते ही सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी जाएगी। भाजपा जल्द से जल्द अपने नए सीएम की ताजपोशी चाहती है। प्रदेश में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर केंद्रीय नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को गौर करें तो ओपी चौधरी को लेकर चर्चा सरगर्म है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बिलासपुर में कहा था कि इस बार गरीब मां का लाल मुख्यमंत्री बनेगा। भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने मीडिया से चर्चा में कल्पनाओं से विपरीत एक नया चेहरा आने की बात कही थी। गृहमंत्री अमित शाह ने भी रायगढ़ की सभा में पूर्व आइएएस ओपी चौधरी को बड़ा आदमी बनाने की बात कही थी।

सबसे ज्यादा वोटों से अरुण वोरा सबसे कम वोटों से हारे पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। दुर्ग जिले में 6-2 से हारने के बाद हार-जीत के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं है। 2018 के चुनाव में जिले से महज एक सीट वैशाली नगर से भाजपा को जीत मिली थी, जबकि इस चुनाव में भाजपा ने 6 में से 4 सीटें जीतकर कांग्रेस को पटखनी दी। जिले में सबसे ज्यादा मतों से हारने का रिकार्ड इस बार कांग्रेस के कद्दावर नेता अरुण वोरा के नाम रहा। उन्हें भाजपा के एक नए चेहरे गजेन्द्र यादव से 47,076 मतों से पराजय का सामना करना पड़ा। वहीं सबसे कम मतों से हारने का रिकार्ड पिछले चुनाव की ही तरह इस बार भी भिलाई सीट में बरकरार रहा। यहां से कांग्रेस के देवेन्द्र यादव ने भाजपा के बड़े नेता प्रेमप्रकाश पाण्डेय को महज 1264 मतों से शिकस्त दी।

पाटन सीट से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वयं प्रत्याशी थे। भाजपा ने यहां से अपने सांसद विजय बघेल को मैदान में उतारकर चुनाव को रोचक बना दिया था। मतगणना के दौरान नतीजे भी इधर-उधर होते रहे, लेकिन अंत में भूपेश 19,723 मतों से जीत हासिल करने में कामयाब रहे। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का सबसे बड़ा चेहरा रहे भूपेश बघेल अपने क्षेत्र में प्रचार करने भी नहीं गए थे। बात यदि अहिवारा क्षेत्र की करें तो यहां से विधायक रहे गुरू रुद्र कुमार ने पूरे 5 साल तक सिर्फ सत्ता सुख भोगा था। उनके चुनाव जीतने की संभावना लगभग नगण्य थी, इसलिए उन्होंने क्षेत्र बदलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। ऐसे में कांग्रेस ने महापौर निर्मल कोसरे को प्रत्याशी बनाया, लेकिन तब तक

रायता पूरी तरह से फैल चुका था। अहिवारा क्षेत्र में कांग्रेस की भद्द पिट चुकी थी। इसीलिए वहां प्रारम्भ से ही भाजपा के लिए माहौल को बेहतर माना जा रहा था। भाजपा ने यहां सतनामी समाज के राजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को उतारा, जो पहले भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। मतदाताओं ने उनकी सक्रियता और कार्यशैली को देखा था। ऐसे में उनकी जीत तय मानी जा रही थी। कोर्सेवाड़ा ने 25,263 मतों के बड़े अंतर से जीतकर अपनी उम्मीदवारी को सही साबित किया।

परिवारवालों का हस्तक्षेप गुजरा नागवार

दुर्ग शहर सीट के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ी पराजय वैशाली नगर क्षेत्र से मिली। यहां से भाजपा के रिकेश सेन ने कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चंद्राकर को 40,074 मतों के बड़े अंतर से हराया। वैशाली नगर को भाजपा माइंड सीट माना जाता है। 2018 के चुनाव में जब पूरे प्रदेश से भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया था, तब भी इस सीट पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। इस बार यहां से सीएम ने अपनी पसंद के प्रत्याशी के रूप में मुकेश चंद्राकर को उतारा था, लेकिन वे कोई करिश्मा करने में नाकाम रहे और जिले में दूसरी सबसे बड़ी हार मिली। भाजपा के लिए बड़ी और ऐतिहासिक जीत दुर्ग ग्रामीण सीट पर रही, जहां से युवा प्रत्याशी ललित चंद्राकर ने कांग्रेस के धाकड़ नेता और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को बड़े अंतर से पटखनी दी। ताम्रध्वज साहू यह चुनाव 16,642 मतों से हार गए। इस चुनाव को साहू बनाम कुर्मी के रूप में भी देखा जा रहा था। 2018 में साहू समाज ने कांग्रेस का समर्थन किया था, लेकिन इस बार यह समाज भाजपा के साथ था। कांग्रेस के साथ इस सीट पर एक समस्या यह भी आई कि उसका मुख्यमंत्री खुद कुर्मी था। वैसे, ताम्रध्वज साहू के हार की एक वजह कामकाज में उनके परिवारवालों का जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप भी रही।

कांग्रेस को पिछड़ा वर्ग की राजनीति ले डूबी 75 के नारे से 40 सीटें पीछे रह गई कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

भिलाई। छत्तीसगढ़ में अबकी बार 75 पार का नारा देने वाली कांग्रेस कुल जमा 35 सीटों पर सिमटकर रह गई। अपने 75 के नारे से उसे सिर्फ 40 सीटें कम मिली और हाथ से सत्ता भी चली गई। कांग्रेस की इस तगड़ी हार के पीछे वैसे तो कई वजहें रही है, लेकिन सबसे बड़ी वजह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पिछड़ा वर्ग कार्ड रही, जिसके चलते आदिवासी और सतनामी समाज को हाशिए पर डाल दिया गया। इसके अलावा सामान्य वर्ग के लोगों में भी असुरक्षा की भावना गहराती चली गई। कांग्रेस ने असुरक्षित महसूस करते इन वर्गों को लगातार नजरअंदाज किया। आश्चर्य इस बात का भी रहा कि कांग्रेस और उसके नेता पिछड़ा वर्ग का वोकबैंक भी संभाले रखने में नाकाम रहे।

भाजपा 54 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब रही, लेकिन उसकी जीत के पीछे चतुर रणनीति और बेहतर प्रबंधन की भूमिका भी अहम् रही। दरअसल, भाजपाई व्यूह के दलदल में कांग्रेस के नेता लगातार धंसते चले गए और उन्हें इसका अहसास तक नहीं हो पाया। भाजपा ने उसके लगभग सारे धाकड़ और सलामी बल्लेबाजों को घर बैठा दिया। कांग्रेस जहां अपनी दोबारा ताजपोशी की तैयारियां लगभग पूरी कर चुकी थी, वहीं उसे बहुमत से दूर कर भाजपा ने सत्ता ्पने नाम कर

ली। संक्षिप्त में कुछ कारणों की चर्चा की जा सकती है, जिसने भाजपा को ऐतिहासिक जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

संगठन की रणनीति:- छत्तीसगढ़ में बीजेपी की जीत का सबसे बड़ा श्रेय बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह और ओम माथुर की रणनीति है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद बीजेपी का संगठन एक्टिव हो गया था। अमित शाह लगातार दौर कर बैठक और मीटिंग कर रहे थे। अमित शाह हर विधानसभा सीट की व्यक्तिगत रिपोर्ट ले रहे थे।

पीएम मोदी का चेहरा:- छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने किसी भी नेता का चेहरा घोषित नहीं किया था। पार्टी कार्यकर्ताओं को केन्द्र सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की बात कही गई थी। इसका फीडबैक भी लिया जा रहा था। पार्टी ने नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा था। पार्टी ने कई सीनियर नेताओं को टिकट देकर इस बात का संशय और बढ़ा दिया की सीएम कौन होगा।

महतारी वंदन योजना:- छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में महिला वोटर्स को साधन के लिए बीजेपी ने महतारी वंदन योजना की घोषणा की। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की सभी विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपए हर महीने देने का वादा किया। कांग्रेस ने भी इस योजना की काट निकालने के लिए 15 हजार रुपए सलाना देने की घोषणा की, लेकिन बीजेपी की तरह कांग्रेस इस योजना को प्रसारित नहीं कर पाई।

धान किसानों को बोनस:- छत्तीसगढ़ में चुनाव का सबसे बड़ा फैक्टर होता है धान किसान। धान किसान को साधने के लिए बीजेपी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि राज्य में धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए एक मुश्त दिया जाएगा। इसके साथ ही धान किसान को बड़ी राहत देते हुए किसानों को दो साल का बोनस देने की घोषणा की। जिसके बाद कांग्रेस ने कर्जमाफी और 3200 रुपए में धान खरीदने का वादा किया लेकिन किसानों ने बीजेपी की बातों पर भरोसा किया।

गुटबाजी को वक्त पर खत्म किया:- छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और बीजेपी में गुटबाजी सामने आई लेकिन बीजेपी ने समय के साथ इस गुटबाजी को खत्म कर लिया। पार्टी ने अपने नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। राज्य संगठन को काम के लिए फ्री हैंड दिया और समय-समय पर उसकी मॉनिटरिंग करते रहे।

सबके सब फेल, केवल भाजपा पास

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में चुनाव से पहले, मतदान के दौरान और यहां तक कि मतगणना के दिन भी सुबह साढ़े आठ बजे तक कांग्रेस ही जीत रही थी। जिताने वालों में राजनीतिक पंडितों से लेकर चुनावों का विश्लेषण करने वाले और एक्जिट पोल का डंका बजाने वाले सभी शामिल थे। सुबह के रुझानों के बाद भूपेश अपनी टीम और मतदाताओं को बधाई भी दे रहे थे। फिर जो पत्ते खुले तो खुलते ही चले गए और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के आंकड़े ही सही साबित होते चले गए। हालांकि, खुद रमन भी मतगणना से पहले भाजपा के लिए इससे कम सीटों की उम्मीद जताने लगे थे। आखिर ऐसा क्या हुआ कि कांग्रेस पिछली बार के मुकाबले आधी सीटों पर सिमट गई। उसके एक-दो नहीं बल्कि 9 मंत्री चुनाव हार गए। इसमें वो भी शामिल थे जो मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे और अंत-पंत उपमुख्यमंत्री बनकर माने थे। दरअसल, कांग्रेस फीलगुड फैक्टर का शिकार हो चली थी। कांग्रेस के प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने चुनावों को सीरियसली लिया ही नहीं। जिसने सीरियसली लिया, वह तमाम विसंगतियों के बावजूद चुनाव जीत गए। ऐसे नेताओं में भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। ईडी के छापों और शराब की कालिख के बावजूद देवेन्द्र और उसकी टीम पूरी शिद्दत से लगी रही। इसका लाभ उसे मिला। भाजपा पहले ही चुनावी रणनीति बना चुकी थी। समय से पहले प्रत्याशियों की घोषणा करना तो एक छलावा था जिसने कांग्रेस सहित चुनाव विश्लेषकों तक को ठग लिया। उसने जीतने वाले और हारने वाले दोनों प्रत्याशी खड़े किये। भाजपा का टारगेट ही 50 से 60 सीटें थीं। कुछ सीटों को उसने पहले ही राइटऑफकर दिया था। सरकार बनाने के लिए 70 सीटों का होना जरूरी तो नहीं है। उसकी यह रणनीति काम कर गई और हारने वाले प्रत्याशी भी अपने जातिगत समीकरणों के कारण आसपास की सीटों को प्रभावित कर गए। भूपेश को भरोसा था कि किसान और ग्रामीण उनके साथ हैं। धान खरीदी कांग्रेस का ट्रंप कार्ड थी जिसे भाजपा ने छीन लिया। साथ ही महिलाओं को साधने का ट्रंपकार्ड दिखाकर भाजपा ने आधी आबादी को अपनी तरफकर लिया। कांग्रेस के पास छोटी-छोटी ढेर सारी बातें थीं जबकि भाजपा के पास मोटी-मोटी दो-चार बातें थीं। भाजपा ने खुद को समेटा और कांग्रेस बिखर गई। इसके साथ ही भाजपा की आंखों की वह किरकिरी निकल गई जो पिछले पांच सालों से उसे परेशान किये हुए थी। भाजपा के रणनीतिकारों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की मजबूत सरकार, देश में भाजपा के लिए खतरे की घंटी थी। यही कारण था कि भाजपा के केन्द्रीय नेताओं ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों को हाईजैक कर लिया था। यह चुनाव भूपेश बनाम रमन होने की बजाय भूपेश बनाम मोदी हो चुका था। मोदी निश्चित तौर पर भूपेश से बड़े नेता हैं और मोदी की गारंटी – मोदी की गारंटी होती है।

संपादकीय

जनादेश के मायने

लोकतंत्र की एक बड़ी खूबी है कि उसमें बहुत रोमांच छिपा होता है। पक्ष हो या विपक्ष, जनमानस किसी को भी आश्वस्त नहीं होने देता है। जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं और जिन चार राज्यों में मतों की गिनती हुई है, उनमें से किसी में भी न भाजपा पूरी तरह आश्वस्त थी और न कांग्रेस को जीत का पूरा विश्वास था। अब नतीजे आ गए हैं और मध्य प्रदेश में भाजपा को सबसे बड़ी जीत मिली है, जबकि राजस्थान ने पांच-पांच साल पर सरकार बदलने की परंपरा का पालन करते हुए भाजपा पर भरोसा जताया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान, दोनों ही देश के बड़े राज्य हैं और दोनों का ही भारतीय राजनीति में गहरा महत्व है। इन दोनों राज्यों के नतीजों से कांग्रेस पहले की तुलना में और कमजोर होगी, जबकि भाजपा का मनोबल लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बहुत बढ़ जाएगा। केंद्रीय स्तर पर लोकसभा चुनाव के लिए एक मजबूत विपक्ष की तलाश हो रही थी, पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस की हार से कांग्रेस की स्थिति विपक्षी गठबंधन में कमजोर होगी। विशेष रूप से कर्नाटक जीतने के बाद कांग्रेस को जो मनोबल हासिल हुआ था, वह उसने मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव हारकर गंवा दिया है। दूसरी तरफ, कर्नाटक लुटाकर भाजपा ने जो मनोबल गंवाया था, वह उसके पास और ज्यादा मजबूती से लौट आया है। खासतौर पर मध्य प्रदेश में भाजपा की तगड़ी जीत राजनीतिक विश्लेषण का महत्वपूर्ण विषय है। मोटे तौर पर भाजपा लगभग दो दशक से मध्य प्रदेश की सत्ता में है और इस विधानसभा चुनाव में जितनी मजबूत वह दिखी है, उससे राजनीतिक पंडितों को निश्चित ही आश्चर्य होगा। अब मध्य प्रदेश में कांग्रेस यदि स्वयं को पुनर्नवा करने के लिए संगठन के स्तर पर आमूलचूल परिवर्तन करे, तो ही आगे के लिए कोई रास्ता तैयार होगा। देश के केंद्रीय या हृदय प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। हम कह सकते हैं, अब सियासी स्वरूप में मध्य प्रदेश भाजपा के लिए दूसरे गुजरात की तरह हो गया है। साथ ही, भाजपा की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। डबल इंजन के इस्तेमाल से मध्य प्रदेश देश के लिए आदर्श राज्य बन सकता है और अब तो अपेक्षाकृत विकसित पड़ोसी छत्तीसगढ़ भी भाजपा के पास लौट रहा है। देश की सशक्त केंद्रीय सत्ता को याद रखना चाहिए कि उसकी अपनी बुनियादी हिंदी पट्टी को अभी भी एक आदर्श विकसित राज्य का इंतजार है। शायद लोग भी यही चाहते हैं। चार राज्यों के चुनाव परिणामों को अगर समग्रता में देखा जाए, तो ऐसा बहुत कुछ है, जिससे सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। खासकर बढ़चढ़कर दावा करने वाले कुछ नेताओं को सबक लेना चाहिए। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव को अगर मिसाल के रूप में सामने रखें, तो पता चलेगा कि जमीन से उठकर ऊपर आए इस नेता को तमाम तरह की कमियों-खामियों ने घेर लिया था, परिवारवाद से लेकर बड़बोलेपन तक, अति-महत्वाकांक्षा से लेकर देश के प्रधानमंत्री के साथ दुर्व्यवहार तक देश ने बहुत कुछ देखा। वह देश के नेता बनना चाहते थे, पर तेलंगाना की जनता ने उन्हें प्रदेश लायक भी नहीं छोड़ा। इन चुनाव परिणामों से विपक्ष के तमाम नेताओं को सीखना होगा। केवल लोकलुभावन योजनाएं काम नहीं आएंगी, बुनियादी स्तर पर संगठन और लोगों के बीच जाकर विश्वास जीतना होगा, इस बार भाजपा ने यही बेहतर किया है।

> “ अब मध्य प्रदेश में कांग्रेस यदि स्वयं को पुनर्नवा करने के लिए संगठन के स्तर पर आमूलचूल परिवर्तन करे, तो ही आगे के लिए कोई रास्ता तैयार होगा। देश के केंद्रीय या हृदय प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। हम कह सकते हैं, अब सियासी स्वरूप में मध्य प्रदेश भाजपा के लिए दूसरे गुजरात की तरह हो गया है।

गंभीर आरोप, चिंताजनक

खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश में अमेरिका द्वारा भारत के एक अधिकारी के शामिल होने का आरोप लगाना सचमुच गंभीर चिंता विषय है। अमेरिका के आरोपों पर पहली प्रतिक्रिया में भारत ने कहा है कि यह 'चिंता का विषय' है और 'भारत सरकार की नीतियों के विपरीत है'। भारत ने इस मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी भी बनाई है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार तय करेगी कि आगे क्या करना है। जिस दिन इस मामले का खुलासा 'फाइनेंशियल टाइम्स' द्वारा किया गया था उस दिन से भारत की एक आधिकारिक लाइन रही है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑर्गेनाइज्ड क्राइम, ट्रैफिकिंग, हथियार कारोबारियों और चरमपंथियों के बीच का नेक्सस सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इससे लग रहा है कि भारत सरकार यह बताना चाह रही है कि अगर दुनिया के किसी देश में किसी चरमपंथी की हत्या हो रही है तो या हत्या की साजिश रची जा रही है तो उसके पीछे अपराधियों के अंतरराष्ट्रीय गिरोहों के आपसी टकराव का हाथ है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में कनाडा, ब्रिटेन और पाकिस्तान में ऐसे कई अलगाववादियों और आतंकवादियों की हत्या हुई है या संदिग्ध स्थितियों में मौत हुई, जो भारत में वांछित थे। हालांकि इसके उलट भारत में यह धारणा बनाई जा रही है कि भारत विदेशों में छिपे देश के दुश्मनों का सफाया कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए भारत की सॉफ्ट स्टेट की छवि को बदलने की कोशिश हो रही है। कुछ समय पहले कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हुई थी। तब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने आरोप लगाया कि भारत की एजेंसियां इसके पीछे हैं। भारत ने न सिर्फ इसे बेतुका और आधारहीन बता कर खारिज किया, बल्कि कनाडा के साथ कूटनीतिक संबंधों में दूरी भी बनाई। अब कनाडा की तरह अमेरिका आरोप लगा रहा है लेकिन इस पर भारत की प्रतिक्रिया वैसी नहीं है, जैसी कनाडा के आरोपों पर थी। तभी यह चिंता की बात लगती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं और आरोपों से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में भारत की एक सभ्य, उदार और लोकतांत्रिक देश की छवि प्रभावित होती है। अमेरिका ने सिर्फ आरोप नहीं लगाए हैं, बल्कि वहां की एक डिस्ट्रिक्ट अदालत में एक भारतीय नागरिक के ऊपर मुकदमा भी दर्ज हुआ और कहा गया है कि साजिश रचने में शामिल रहा भारतीय नागरिक भारत की एक एजेंसी का कर्मचारी है, जो अपने को 'सीनियर फील्ड ऑफिसर' कहता है और 'सिक्योरिटी मैनेजमेंट और इंटेलीजेंस' के लिए अपने को जिम्मेदार बताता है। अमेरिकी अदालत में जिस भारतीय नागरिक पर मुकदमा दर्ज हुआ है उसका नाम निखिल गुप्ता उर्फ निक है, जिसे 30 जून को चेक गणराज्य से गिरफ्तार किया गया। जिस साजिश में उसे गिरफ्तार किया गया है वह बेहद बचकानी और हास्यास्पद है। बताया जा रहा है कि उसने पन्नू की हत्या के लिए अमेरिका में जिस व्यक्ति को संपर्क किया वह अमेरिका की सरकारी एजेंसी का ही आदमी था। उसने सारी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। इस तरह की खबरों से भारतीय एजेंसियों की भी किरकिरी होती है। बहरहाल, खबर है कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स भारत आने वाले हैं। अमेरिका इस बात से नाराज है कि भारत ने उसकी जमीन पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या कराने की साजिश रची। भारत को जल्दी से जल्दी इस मामले को स्पष्ट करते हुए यह अध्याय बंद करना चाहिए।

> “ कांग्रेस की यह हार हमें चुनावी राजनीति के बारे में बहुत सारी बातें बता रही है। अक्सर हमारे चुनाव विश्लेषण हवा का रुख, जमीनी हालात और चुनावी अंकगणित पर आधारित होते हैं। बेशक, इन सबकी एक भूमिका होती है, लेकिन इनकी एक सीमा भी होती है। चुनाव में एक बड़ी भूमिका पार्टी संगठन की ताकत और चुनाव प्रबंधन की भी होती है।

जीत का भूगोल और हार का गणित

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

थोड़ी देर के लिए अगर हम तेलंगाना को छोड़ दें, तो राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव नतीजों ने इस बार कोई नई कहानी नहीं लिखी। ये पूरे हिंदी क्षेत्र में पिछले एक दशक से लगातार चल रही भारतीय जनता पार्टी की विजय यात्रा की एक कड़ी भर हैं। यह जरूर है कि पांच साल पहले पार्टी इन तीनों ही राज्यों में चुनाव हार गई थी, पर कुछ ही महीने बाद लोकसभा चुनाव में पार्टी ने इस हार की भरपाई कर ली थी। थोड़ा और बाद में मध्य प्रदेश में तो उसने कांग्रेस से सत्ता छीनने का जुगाड़ भी भिड़ा लिया था। यह ठीक है कि इस बार भाजपा को राजस्थान और असंभव से दिखने वाले छत्तीसगढ़ की सत्ता भी हासिल हो गई है, पर पार्टी ने इससे उसी क्षेत्र में अपनी चमक और धमक को स्थापित किया है, जो उसका गढ़ है।

इन नतीजों ने जो कहानी लिखी है, उसमें भाजपा की जीत उतनी बड़ी बात नहीं है, जितनी बड़ी बात कांग्रेस की हार है। अभी कुछ महीने पहले तक यह भले ही कोई न कह रहा हो कि कांग्रेस इन राज्यों में जीत ही जाएगी, पर यह तो तकरीबन सभी मान रहे थे कि ये तीनों ही प्रदेश कांग्रेस के लिए असंभव नहीं हैं। पार्टी जमीन पर भी अपना दम दर्ज करा रही थी और यह भी कहा जा रहा था कि हवा उसके पक्ष में जा सकती है। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने खुद कहा था कि राजस्थान के बारे में संदेह हो सकता है, पर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तो पार्टी जीतने ही वाली है। बहुत सारे स्वनाम धन्य सर्वे या पोल भी कुछ ऐसी ही कहानी कह रहे थे। राजस्थान एक्जिट पोल तक कांग्रेस के पक्ष में डांवाडोल होता दिखा और छत्तीसगढ़ के बारे में तो पहले दो दौर की मतगणना के बाद भी यही भविष्यवाणी हो रही थी।

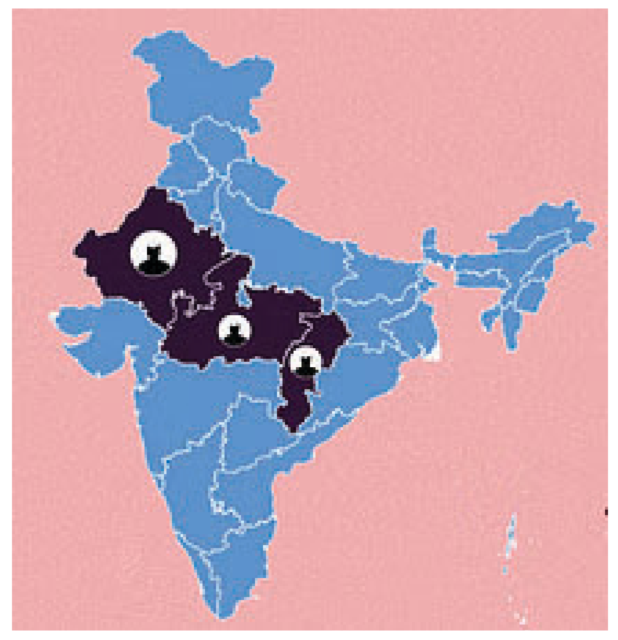

अगर हम क्रिकेट की समीक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाली शब्दावली का प्रयोग करें, तो यह कह सकते हैं कि कांग्रेस जीत केजबड़े से हार छीन लाई है।

कांग्रेस की यह हार हमें चुनावी राजनीति के बारे में बहुत सारी बातें बता रही है। अक्सर हमारे चुनाव विश्लेषण हवा का रुख, जमीनी हालात और चुनावी अंकगणित पर आधारित होते हैं। बेशक, इन सबकी एक भूमिका होती है, लेकिन इनकी एक सीमा भी होती है। चुनाव में एक बड़ी भूमिका पार्टी संगठन की ताकत और चुनाव प्रबंधन की भी होती है। कभी कांग्रेस का संगठन इस कौशल के लिए जाना जाता था, पर अब वह सब इतिहास की बात हो चुकी है। सांगठनिक क्षमता के मामले में भाजपा बेजोड़ है, यह उसने एक बार फिर साबित कर दिया है।

हमेशा की ही तरह इस बार भी भाजपा एक नई रणनीति के साथ मैदान में उतरी थी। उसने जितनी बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्रियों समेत पार्टी सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए भेजा, वैसा इसके पहले कभी नहीं हुआ था। हालांकि, कई शुरुआती विश्लेषण में यह कहा गया था कि पार्टी को हार दिखाई दे रही है, इसलिए उसने ऐसा कदम उठाया है, जबकि यह वास्तव में जीत के लिए पार्टी की एक रणनीति थी। फिर पार्टी ने हमेशा की तरह अपने उन कई विधायकों को टिकट नहीं दिया, जिनके अच्छे प्रदर्शन या जिनकी लोकप्रियता पर उसे संदेह था। भाजपा के मुकाबले कांग्रेस ऐसे कड़े फैसलों के लिए नहीं जानी जाती।

इन तीन राज्यों में कांग्रेस की हार के ठीक विपरीत खड़ा है तेलंगाना। तेलंगाना में कांग्रेस की जोरदार जीत उसके लिए सिर्फ सांत्वना पुरस्कार भर नहीं है। यह ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस इस तरह से उठ खड़ी होगी, यह कुछ महीने पहले तक सोचा भी नहीं जा सकता था। तीन साल पहले जब इसी राज्य में ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव हुए थे, तो सत्ताधारी तेलंगाना राष्ट्र समिति को 56 सीटें मिली थीं, भाजपा को 48 और कांग्रेस को केवल दो। यह लगभग मान लिया गया था कि कांग्रेस अब तेलंगाना में नंबर तीन की पार्टी हो चुकी है। पिछले कुछ दशक में कांग्रेस का यह दुर्भाग्य रहा है कि जिस भी प्रदेश में वह नंबर तीन की पार्टी हो जाती है, वहां फिर वह नंबर दो नहीं हो पाती, नंबर एक बनना तो बहुत दूर की बात है। तेलंगाना में कांग्रेस ने उस दुर्भाग्य से पीछा छुड़ा लिया है। तेलंगाना में कांग्रेस की वापसी में कुछ और चीजें महत्वपूर्ण हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस जहां अपने पुराने बुढ़ाते हुए नेतृत्व के भरोसे थी, वहीं तेलंगाना में उसकी बागडोर अपेक्षाकृत नौजवान नेतृत्व के हाथ में थी।

इसके ठीक पहले कांग्रेस ने दक्षिण भारत में ही कर्नाटक विधानसभा चुनाव को भी बहुत आसानी से जीत लिया था। जबकि उत्तर भारत में उसके पास सिर्फ हिमाचल जैसे छोटे से प्रदेश में ही सरकार है। यह बताता है कि कांग्रेस के प्रभाव क्षेत्र का भूगोल बहुत सीमित है। हालांकि, यह मामला सिर्फ कांग्रेस का ही नहीं, भाजपा का भी है। पुडुचेरी को छोड़ दें, तो पूरे दक्षिण भारत से उसका सफाया हो चुका है। एक तरह से देखें, तो इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस, दोनों ने ही अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन का डंका पीटा है। इस प्रभाव क्षेत्र के बाहर दोनों ही अपना दम दिखाने में नाकाम रही हैं।

ये विधानसभा चुनाव उस समय हुए हैं, जब कुछ ही महीने बाद देश में आम चुनाव होने हैं। अक्सर लोग अपनी सुविधा के अनुसार ऐसे चुनाव को सेमीफाइनल करार देते हैं। हालांकि, विधानसभा चुनाव का रुझान लोकसभा चुनाव तक वैसे ही बरकरार रहे, यह हर बार संभव नहीं होता। पिछली बार मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान, तीनों ही राज्यों में भाजपा विधानसभा चुनाव हार गई थी, पर चंद महीने के भीतर लोकसभा चुनाव में उसने कांग्रेस को जोरदार शिकस्त दी।

तेलंगाना के अलावा बाकी तीनों राज्य ऐसे हैं, जहां भाजपा और कांग्रेस में सीधी टक्कर होनी थी। क्षेत्रीय दल यहां अनुपस्थित भले ही न हों, पर वे कोई महत्वपूर्ण असर डालने की स्थिति में नहीं हैं। जबकि बाकी भारत का राजनीतिक सच इससे काफी अलग है। खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में इन पार्टियों के अलावा भी दल हैं, जो काफी मजबूत और महत्वपूर्ण हैं। ये सब मिलकर आम चुनावों के समीकरणों को जो जटिलता देते हैं, उसके बारे में सिर्फ और सिर्फ राज्यों के चुनाव परिणामों से किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। फिलहाल का सच सिर्फ इतना है कि भाजपा ने अपने प्रभाव क्षेत्र में खुद को मजबूत किया है और कांग्रेस ने तेलंगाना की जीत से सबको हैरत में डाल दिया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सियासत के बाजार में तरक्की से ज्यादा उम्मीद का बिकना

विवेक कौल, आर्थिक विशेषज्ञ

उन्नीस नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट विश्व कप फाइनल मुकाबला होने से कुछ ही घंटे पहले, एक सूचना वायरल हुई, जिसमें बताया गया था कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है। जीडीपी किसी खास अवधि में किसी देश के आर्थिक आकार का अनुमान भर है, पर जल्द ही यह सूचना पूरे सोशल मीडिया पर छा गई। इस विश्वास के साथ कि भारत मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देगा, यह एक फैलाने या प्रचार लायक राष्ट्रवादी संदेश बन गया। अफसोस, भारत क्रिकेट फाइनल हार गया।

बहरहाल, तब तक वह संदेश दूर-दूर तक फैल चुका था। आम लोगों से लेकर राजनेताओं और बड़े उद्यमियों तक, सभी ने उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया था। कुछ ही लोगों ने यह जानने की जहमत उठाई कि क्या भारतीय जीडीपी वास्तव में 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है? अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, मौजूदा कीमतों में भारतीय जीडीपी 2024 में 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति के साथ अगर एक हिसाब लगाएं, तो भारत के 4 ट्रिलियन डॉलर सकल घरेलू उत्पाद तक पहुंचने में अभी भी शायद कुछ समय है।

निस्संदेह, बाजार में संदेश और सच्चाई वास्तव में एक साथ नहीं चलती है। इसके बाद एक बड़ा सवाल उठता है कि हम भारत की जीडीपी को 4 ट्रिलियन डॉलर, 5 ट्रिलियन डॉलर, 10 ट्रिलियन डॉलर, 30 ट्रिलियन डॉलर आदि पार करने को लेकर इतने जुनूनी क्यों हैं? ये वे आंकड़े हैं, जिनको भारत कभी न कभी पार कर ही लेगा, पर इधर जो वास्तविक तरक्की हुई है, उसके बारे में चर्चा इतनी कम क्यों है?

आइए, दो बहुत महत्वपूर्ण आंकड़ों पर नजर डालते हैं। देश की शिशु मृत्यु

दर (आईएमआर) और कुल प्रजनन दर (टीएफआर)। आईएमआर एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु की संख्या है, जो प्रति 1,000 जीवित बच्चों पर व्यक्त की जाती है। गौर कीजिए, बाल मृत्यु दर भारत में 1953 में 181 थी और 2021 में लगभग 25 हो गई। तब और अब के बीच आईएमआर हर वर्ष औसतन 2.8 प्रतिशत की दर से गिरी है। भारत में अब कम ही बच्चे काल के गाल में समा रहे हैं।

अब टीएफआर पर नजर डालें, साल 1951 में हर महिला औसतन 5.77 बच्चे पैदा करती थी, पर अब केवल 2.03 बच्चे पैदा कर रही है। अगर भारत में यह दर 2.1 हो जाए, तो जनसंख्या स्थिर हो जाएगी। सात दशकों में यह जो कमी आई है, वह काफी हद तक सरकारी दबाव के बिना ही है। इसका तात्पर्य यह है कि औसत आय बढ़ गई है और महिलाएं अब पहले की तुलना में अधिक शिक्षित हैं। ये दो कारक कम बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करते हैं। महिलाओं के कम बच्चे पैदा करने के चलते जनसंख्या-वृद्धि भी धीमी हो गई है। हालांकि, यह बदलाव भारत में बहुत धीमी रफ्तार से आया है।

इससे हमें पता चलता है कि असली तरक्की के लिए सामाजिक स्तर पर बदलाव की जरूरत होती है और इसमें समय लगता है। जैसा कि हेंस रोसलिंग, ओला रोसलिंग और अन्ना रोसलिंग फैक्टफुलनेस में लिखते हैं, कई चीजें (लोगों, देशों, धर्मों और संस्कृतियों सहित) सिर्फ इसलिए थमी हुई प्रतीत होती हैं, क्योंकि बदलाव बहुत धीरे-धीरे हो रहा है।

परेशानी यही है, इन बहुत धीमे बदलावों को जनता के सामने पेश करना राजनेताओं के लिए मुश्किल हो जाता है। इसे लेकर मैं उत्साहित हूं, जैसा कि मॉर्गन हॉसेल ने सेम ऐज एवर: टाइमलेस लेसन्स ऑन रिस्क, ऑपर्च्युनिटी ऐंड लिविंग अ गुड लाइफ में लिखा है: लोग उस दुनिया को याद नहीं करते, जब वे पैदा हुए थे। उन्हें पिछले कुछ महीने ही याद रहते हैं। ऐसे में, तरक्की हमेशा अदृश्य रहती है।

तरक्की के चक्र को पूरा होने में दशकों लग जाते हैं, जबकि राजनेताओं को हर कुछ साल बाद चुनाव जीतने की जरूरत पड़ती है। यही वजह है कि उनके लिए असली तरक्की को बेचना शायद मुश्किल हो जाता है और वह आशा या उम्मीदें बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं। कोई अचरज नहीं, अमेरिका से भारत तक तमाम चुनावों में ऐसा ही देखा जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय राजनीति में पहचान आधारित पैंतरे के जोखिम

राजेश रामचंद्रन

अब जबकि चुनाव परिणाम के नतीजे लगभग सामने हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से अहम सबक यह है कि हिंदी भाषी क्षेत्र में गैर-भाजपा पार्टियों में कांग्रेस अभी भी सबसे मजबूत दल है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे सूबे हैं जहां पर कांग्रेस और भाजपा के बीच दो ध्रुवीय मुकाबला होने की रिवायत रही है। हालांकि, तेलंगाना में कांग्रेस की जीत यह सिद्ध करती है कि क्षेत्रीय दलों के ग्रहण लगने के बावजूद उसकी जड़ें कायम हैं।

कांग्रेस एक पुरानी पार्टी है, अलबत्ता चुनावी मौसम के दौरान इसमें कुछ हरी कोंपलें उग आती हैं जिनका मकसद सत्ता से खिन्न मतदाता के जरिये ताकत प्राप्त करना होता है। एक ऐसी पार्टी है जिसका एकमात्र तर्क रहा है, सत्ता। चूंकि एजेंडा तभी क्रियान्वित होता है जब सरकार हो, अतएव सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता की क्या जरूरत। ऐसा दल चुनाव के समय का इंतजार यह देखने के लिए करते हैं कि क्या फिजा में बदलाव आया है और लोगों का मिजाज सत्ताधारी दल के प्रति मोह से मोहभंग में परिवर्तित हुआ है या नहीं। तब केवल इतना करने की जरूरत होती है कि नाराज जनता के सामने खुद को सबसे काबिल विकल्प के रूप में पेश किया जाए।

लेकिन इसकी बजाय, यह मत समझें कि जनता के मिजाज में बदलाव विचारधारा में भी हुआ है। उक्त दल का सिद्धांत केवल सत्ता है न कि जाति। कांग्रेस विगत में विभिन्न जातीय समीकरण बनाने की कोशिश कर चुकी है, मसलन, उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम, आंध्र प्रदेश में रेड्डी-दलित-मुस्लिम, कर्नाटक में अल्पसंख्यक-पिछड़ा वर्ग-दलित आधारित 'अहिन्दा' नामक युगम, गुजरात में क्षत्रिय-हरिजन-आदिवासी-मुस्लिम का 'खाम' नामक प्रयोग, केरल में कांग्रेस ने मुस्लिम और ईसाई दलों से गठबंधन किया है तो और अन्य जगहों पर भी इसी किस्म के समुच्चय बैठाए। इस तमाम प्रयासों के बावजूद, पार्टी सिकुड़ती गई क्योंकि पहचान-आधारित यह राजनीति विपक्ष के लिए प्रतिक्रियात्मक-गोलबंदी के लिए उत्प्रेरक और वैधता प्रदान करने वाली बनी। वास्तव में यह राजनीतिक जरूरत भले हो लेकिन अनाड़ीपन यह मानना रहा कि मुस्लिम पहचान की राजनीति करने से हिंदुत्व संगठनों के एकजुट होने को बल नहीं मिलेगा, लेकिन यही हुआ और वह भी किस कदर!

कांग्रेस इस बार न केवल सत्ताधारियों के प्रति मतदाताओं के मोहभंग की आसान फसल काटने को तत्पर रही है बल्कि जाति-पहचान का कार्ड भी खेलती रही है। शायद यह चाल किसी राज्य में जीत दिला भी दे, जहां उसने जाति-आधारित जनगणना करवाने का वादा किया हो। शायद आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी पिछड़ी जातियों की पहचान आधारित राजनीति करने की कोशिश इस उम्मीद में करे कि इससे हिंदुत्व के घेरे में सेंध लग सके। खैर, जिस तरह मुस्लिम कार्ड ने हिंदू-कार्ड को वैधता दी थी और हिंदू वोट बैंक बना डाला, जोकि 1990 के आखिरी सालों तक भी किसी की कल्पना में नहीं था, ठीक वैसे ही जातीय-पत्ता भी धार्मिक एजेंडे को वैधता देने में प्रभावी हो सकता है- यह दोनों ही पूर्व-आधुनिक समूह बनाने के संकेतक हैं।

मसलन, आंध्र प्रदेश की राजनीति में रेड्डी समुदाय की बहुसंख्या से केवल 'काम्मा' उद्भव को वैधता मिली है, यह ठीक वही है जब उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व में हुए गैर-यादव पिछड़ी जाति सशक्तीकरण ने यादवों के विजय रथ को पलट डाला था या फिर कर्नाटक में लिंगायतों का मजबूत बनना अन्य सामाजिक गठबंधनों पर भारी पड़ गया। पिछड़ी जातियों का आरक्षण कोटा 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 प्रतिशत या 50 प्रतिशत करना या फिर सरकारी नौकरियों में पिछड़ों और दलितों का कोटा 90 फीसदी करने वाला जुमला केवल एक चुनाव में चल पाएगा, बस इतना ही। तथापि इस नारे को भी किसी भरोसे योग्य पिछड़ी जाति के नेता द्वारा उठाए जाने की जरूरत होगी। हालांकि, इस नारे का कुल प्रभाव सत्तासीनों के प्रति मतदाता के मोह या मोह-भंग की मात्रा पर निर्भर करेगा। लेकिन इस नारे की स्वीकृति में पेंच है कि यह तभी प्रभावशाली होगा जब पिछड़ी जाति के अब तक न आजमाए किंतु भरोसे काबिल नेता द्वारा उठाया जाए।

तथाकथित 'मंडल मसीहा' वीपी सिंह भी राजीव गांधी को केवल जाति-कार्ड खेलकर नहीं हरा पाए थे। लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटों वाली शक्तिशाली राजीव सरकार का पराभव बोफोर्स तोपों में रिश्वतखोरी के इल्जाम से ही हुआ था। 'राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है' का नारा शुचिता, एक राजकुल से संबंधित इंसान द्वारा व्यवस्था को साफ-सुथरा बनाने की छवि की खातिर था। यह विशुद्ध रूप से तत्कालीन सरकार से मतदाता की नाराजगी को भुनाने की राजनीति थी। सत्ता में बने रहने के खातिर जाति-आधारित राजनीति वाले मंडल-पैंतरे ने सिर्फ संघ परिवार के धार्मिक एजेंडा को वैधता प्रदान की थी। जाति-भावना का तोड़ केवल धार्मिक-भावना है। लिहाजा भाजपा के सांसदों की संख्या 1989 में 85 से बढ़कर 1991 में 120 हो गई। इसी बीच, पिछड़ी जातियों में बहुसंख्यक वर्ग के अब तक गैर-आजमाए और बेदाग नेता जैसे कि लालू यादव और मुलायम सिंह का उद्भव अपने कहे पर अमल करने वाले और नव-राजनीतिक चलन के प्रतीक के तौर पर हुआ।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जयसिंह अग्रवाल को परास्त कर लखन बने कोरबा के लाल

लगातार तीन बार के विधायक रहे हैं जयसिंह अग्रवाल, सत्ता विरोधी लहर में हारे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के चार विधानसभा में पिछले 15 साल से तीन पर कांग्रेस का कब्जा रहा है, पर वर्ष 2023 के हुए चुनाव में यह मिथक टूट गया। इस बार दो विधानसभा कोरबा व कटघोरा में भारतीय जनता पार्टी का कमल फूल खिल गया है। वहीं रामपुर में भाजपा के दिग्गज नेता ननरीराम को परास्त कांग्रेस के फूलसिंह ने अपना फूल खिला दिया है। गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ने भी 20 साल वापसी की है। बेहद अहम तो यह है कि लीडिंग चारों विधायकों को वापस कुर्सी नहीं मिल सकी।

वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आए कोरबा विधानसभा प्रारंभ से ही शहरी क्षेत्र होने के कारण हाई प्रोफाइल रहा है। यहां से कांग्रेस के दिग्गज नेता जयसिंह अग्रवाल लगातार तीन बार के विधायक रहे। वर्ष 2018 में उन्होंने भाजपा के विकास महतो को करीब 11 हजार वोटों से परास्त किया था। इस बार पूरे राज्य में सत्ता विरोधी लहर का असर देखने को मिला और भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन ने पहले राऊंड से ही बढ़त हासिल की और यह अंतिम राऊंड तक बनी रही। वहीं कटघोरा विधानसभा में प्रारंभ में कांग्रेस के पुरूषोत्तम कंवर आगे रहे, पर बाद में पिछड़ गए और आखिर में भाजपा के नए चेहरे प्रेमचंद पटेल के पक्ष में परिणाम चला गया। उधर आरक्षित रामपुर विधानसभा सीट से भाजपा के निवृतमान विधायक व पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर को पराजय का सामना करना पड़ा है। उन्हें कांग्रेस के नए चेहरे फूलसिंह राठिया ने परास्त किया। जबकि आरक्षित पाली- तानाखार विधानसभा सीट से राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस की दुलेश्वरी सिदार व भाजपा के रामदयाल उइके को हार का मुंह देखना पड़ा। यहां से गोंगपा के तुलेश्वर सिंह मरकाम ने अपना परचम लहराया है।

मुफ्त की रेवड़ियों को जनता ने नकारा, कांग्रेस की समझ से बाहर रही भाजपा की रणनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर किसानों की कर्ज माफी का ऐलान किया। बारी बारी से कई घोषणाएं की और लगने लगा कि इस बार भी कांग्रेस का दांव चल जाएगा। लेकिन 3 दिसंबर को जो नतीजे आए उसने न सिर्फ कांग्रेस को चौंकाया बल्कि भाजपा की रणनीति को भी समझ नहीं पाए। मुफ्त की रेवड़ियां बांटकर मतदाताओं का भरोसा जीतने निकली कांग्रेस को बड़ा झटका लगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेताओं को यही भरोसा था कि मतदाताओं के आगे मुफ्त की योजनाओं को लाकर भाजपा की रणनीति को फेल कर देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। कांग्रेस यह सोचकर निश्चिंत थी कि मुफ्त की योजनाओं के कारण जनता उनके पक्ष में मतदान करेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भाजपा ने जमीनी स्तर पर मतदाताओं को पकड़ा। कार्यकर्ता एकजुट रहे। वहीं भाजपा की ओर से उठाए गए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, विकास, हिंदुत्व और धर्मांतरण जैसे मुद्दे दरकिनार करते गए। यही नहीं, चुनाव जैसे नाजुक दौर में भी पार्टी सत्ता और संगठन के बीच तालमेल बैठाने में नाकामयाब साबित हुई।

मोदी की गारंटी के जरिये भाजपा खुद को कांग्रेस से बेहतर विकल्प साबित करने में कामयाब हुई। पार्टी की इस सफलता के पीछे संघ की भी सक्रिय भूमिका रही। पिछले चुनाव में शहरी इलाकों तक सीमित हुई पार्टी को गांवों में बूथ स्तर तक मजबूती दी। छत्तीसगढ़ में इस बार महिला मतदाताओं की संख्या भी पुरुषों की तुलना में लगभग सवा लाख अधिक थी। इसे देखते हुए पार्टी ने मध्यप्रदेश की लाडली बिटिया की तर्ज पर महतारी वंदन योजना के तहत सालाना 12 हजार रुपये की गारंटी का वादा कर महिलाओं मतदाताओं को साधा। महिलाओं को इस योजना से भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए उनके फार्म भी भरवाए। शराबबंदी को लेकर कांग्रेस की वादाखिलाफी से पहले से नाराज महिलाओं ने भी इसे हाथोंहाथ लिया। हालांकि, दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले कांग्रेस ने मातृवंदन के मुकाबले गृहलक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को सालाना 15 हजार रुपये देने का वादा तो किया, पर तब तक बहुत देर हो चली थी।

जनता का जनादेश स्वीकार्य, अब लोकसभा चुनाव की तैयारी की बारी: कुमारी सैलजा

चुनावी नतीजों के बीच कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता का जनादेश स्वीकार्य है। कांग्रेस सरकार ने हर वर्ग के विकास के लिए काम किया है। हम गरीब, वंचित वर्ग की लड़ाई लड़ते रहेंगे। हम उम्मीद करते है कि बीजेपी सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरे। हम मजबूत विपक्ष के रूप में काम करेंगे। हम सरकार के अच्छे कामों का सहयोग करेंगे। कहां क्या कमी रह गई है हम उसकी समीक्षा करेंगे। अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू ने ईवीएम मशीन में छेड़खानी का लगाया आरोप

अभनपुर से कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू ने बीजेपी के बढ़त पर कहा कि यह जो नतीजे आए हैं बिल्कुल अविश्वसनीय है। जिस तरह से पिछले 5 सालों में हमारी कांग्रेस की सरकार ने काम किया है। 5 सालों में हमारी पार्टी ने हर वर्गों के लिए काम किया है। किसानों के लिए किया है। मजदूरों के लिए किया है। भूमिहीनों के लिए काम किया है। बेरोजगारी भत्ता दिया है। कर्मचारियों की मांगे मानी हैं। व्यापारी भी खुश थे। यह बिल्कुल विश्वसनीय नहीं है। अवश्य ही ईवीएम मशीन में छेड़खानी की गई है।

चुनाव के हार के बाद बोले सिंहदेव- हार पर पार्टी को करना होगा मंथन, सारे सर्वे हुए फेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त मिली है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हार के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, पार्टी को यह चिंतन करना पड़ेगा कि सारे सर्वे भी फेल हुए और हम भी नहीं भांप पाए, हमें लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार ज़रूर बनेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

टीएस सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद हमने काम भी किया तभी हमें कुछ वोट मिले और क्या नहीं किया जिस कारण से वोट नहीं मिले इस पर चतिंन जरूरी है। इस बार कांग्रेस का वोट प्रतिशत उतना ही रहा लेकिन भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है।

सिंहदेव ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐसी जीत होगी इसकी हमें उम्मीद नहीं थी, राजस्थान में हर 5 वर्ष में सरकार बदलती है, तेलंगाना संतोष का विषय रहा। छत्तीसगढ़ में सरकार बनने की पूरी बात थी, नुकसान छत्तीसगढ़ में हुआ है। मैं विधायक नहीं रहूंगा लेकिन जनता जब मुझे जहां चाहेगी मैं उनके लिए उपलब्ध रहूंगा।

बतादें कि छत्तीसगढ़ में इस बदलाव की लहर में टीएस सिंहदेव भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। अंबिकापुर विधानसभा सीट से 15 साल विधायक रहे टीएस सिंहदेव कांटे के मुकाबले में 94 मतों से चुनाव हार गए हैं।

वीवीआईपी सीटों पर भूपेश बघेल जीते टीएस सिंहदेव हारे, रमन सिंह विजयी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी या फिर भाजपा का जीत का परचम लहराएगा। इस बात का फैसला आज होगा। छत्तीसगढ़ की सभी 90 विधानसभा सीटों के नतीजे तीन दिसंबर यानी आज आएंगे। रिजल्ट के लिए मतगणना शुरू हो गई है। दोपहर 03.00 की स्थिति के अनुसार, रुझानों में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस 33 सीट पर आगे चल रही है। वहीं, भाजपा ने 54 सीटों पर बढ़त बनाई है। अंबिकापुर विधानसभा से डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव पीछे चल रहे हैं। डिप्टी सीएम के सामने भाजपा के राजेश अग्रवाल चुनावी मैदान में हैं।

वहीं, पाटन विधानसभा सीट से सीएम भूपेश बघेल आगे हो गए हैं। पाटन सीट पर भाजपा ने बघेल के भतीजे विजय बघेल पर भरोसा जताया है। राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह आगे चल रहे हैं। राजनांदगांव सीट से कांग्रेस ने पार्टी के वरिष्ठ नेता गिरीश देवांगन को टिकट दिया है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज चित्रकोट विधानसभा सीट से पीछे चल रहे हैं। दीपक बैज के सामने भाजपा के विनायक गोयल हैं। सक्ती विधानसभा सीट से छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष और कांग्रेस प्रत्याशी चरणदास महंत आगे चल रहे हैं। भाजपा ने यहां खिलावन साहू को टिकट दिया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर भरोसा किया है, भूपेश बघेल की बातों पर भरोसा नहीं किया। प्रथम चरण के रुझान में ये स्पष्ट दिख रहा है। निश्चित रूप से भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व का आशीर्वाद मिला है।

7 व 17 नवंबर को हुआ था चुनाव

छत्तीसगढ़ में 1181 प्रत्याशियों के राजनीतिक भाग्य का फैसला सात और 17 नवंबर को ईवीएम में बंद हुआ था। यहां दो चरण में चुनाव हुआ था। पहले चरण में सात नवंबर को 20 सीटों पर तो दूसरे चरण में 17 नवंबर को 70 सीटों पर वोटिंग हुई थी। आज मतों की गिनती के साथ ही प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा और साथ ही यह भी उजागर हो जाएगा कि छत्तीसगढ़ की जनता क्या चाहती है।

यहां पहली बार महिलाओं को सौंपा गया है मतगणना का काम

कांकेर भानुप्रतापुर अंतागढ़ के 36 उम्मीदवारों का तकदीर का फैसला आज होगा। पॉलिटेक्निक कॉलेज में सुबह आठ बजे से होगी मतगणना। जिले में पहली बार महिलाओं को सौंपा गया है मतगणना का काम। अल्फाबेट के आधार पर महिला कर्मचारियों को ड्रेस कोड दिया गया है। तीनों विधानसभाओं की मतगणना 14 राउंड में होगी और लैंगिक समानता पर फोकस है।

साधारण किसान ईश्वर साहू ने दिग्गज रविन्द्र चौबे को हराया

बेटे की मौत के बाद भाजपा ने उतारा मैदान में, इमोशनक कार्ड से मिली जीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले की साजा सीट पर काफी रोचक मुकाबला देखने को मिला। यहां के साधारण किसान ईश्वर साहू ने छह बार के विधायक और मंत्री रविंद्र चौबे को हराकर चौंका दिया। दूसरे समुदाय से हिंसक झड़प में ईश्वर के बेटे की हत्या कर दी गई थी। इससे लोगों में आक्रोश था। जनभावनाओं को देखते हुए भाजपा ने ईश्वर को टिकट दिया था। भाजपा की इस जीत को बड़ी रणनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। ईश्वर साहू ने कुल 101789 वोट हासिल कर पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे को 5196 वोटों से पराजित किया है।

छत्तीगसढ़ के बेमेतरा जिले में आने वाली सीट साजा पर इसी साल अप्रैल में सांप्रदायिक दंगे हुए थे। स्कूली मारपीट से शुरू हुई इस घटना ने जल्द ही सांप्रदायिक दंगों का रूप धर लिया था। इस घटना में दो मुस्लिम और एक हिंदू व्यक्ति की मौत हुई थी। दोनों पक्षों की तरफ से आगजनी की घटनाएं हुईं। घर जलाए गए। इन हिंसक झड़पों में भुवनेश्वर साहू की हत्या हुई। भाजपा ने मुद्दे को भुनाया और भुवनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को टिकट दिया था। प्रचार के दौरान ईश्वर साहू लगातार वोट के बदले अपने बेटे के लिए इंसाफ देने की बात कहते रहे।

राजनीतिक जानकार कहते हैं कि ईश्वर साहू भावनात्मक ढंग से यह चुनाव को लड़े। इस सीट पर करीब 60 हजार साहू वोटर हैं। वह निर्णायक होते रहे हैं। साहू समाज का एकमुश्त वोट ईश्वर साहू के पक्ष में पड़े इसके लिए भाजपा ने पूरी कोशिश की। साहू समाज के अलावा लोधी समाज बड़ी संख्या में इस सीट पर हैं। भाजपा की कोशिश रही थी कि सभी जातियों को ईश्वर के साथ खड़ा किया जाए। जानकार मानते हैं कि ईश्वर साहू को प्रत्याशी बनाकर भाजपा ने चुनावों को धार्मिक रंग देने की कोशिश की और भाजपा की यह योजना सफल भी हो गई।

कोरबा रेलवे स्टेशन के कुली ने अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। रेलवे स्टेशन कोरबा में कुली का काम करने वाले दीपक पटेल ने एक नया कीर्तिमान रच दिया है। उन्होंने नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर विजेता का खिताब हासिल किया है। उन्होंने 53 किलोग्राम बाडी वेट की कैटेगरी से भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि अपने नाम की है।

दीपक ने पावर स्पोर्ट्स एसोसिएशन आफ इंडिया का नेतृत्व करते हुए पांच देशों की प्रतियोगिता में यह कमाल किया है। इनमें भूटान, नेपाल, श्रीलंका, हांगकांग और भारत समेत पांच देशों के चैंपियन का गौरवपूर्ण खिताब हासिल किया है। वे इस प्रतियोगिता में देशभर से शामिल होने वाले कुल 12 और छत्तीसगढ़ से एक मात्र खिलाड़ी हैं। दीपक की जीत का सिलसिला कोई नया नहीं है। उन्होंने इससे पहले पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में फेडरेशन कप

नेशन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। अब तक उन्होंने चार बार की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड जीता और कई राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा में विजेता का खिताब हासिल किया है।

सिलीगुड़ी की वह महत्वपूर्ण जीत उनके चौथे राष्ट्रीय स्वर्ण का प्रतीक रही, जिससे वे पावरलिफ्टिंग में प्रमुख प्रतिभाओं में से एक बन चुके हैं। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग इंडिया के संरक्षण में दार्जिलिंग जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित फेडरेशन कप में दीपक ने अपनी जबरदस्त ताकत का प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल 382.5 किलोग्राम वजन उठाकर चैंपियनशिप हासिल किया था। इस वजन में 175 किलोग्राम की डेडलिफ्ट, 87.5 किलोग्राम की बेंच प्रेस और 120 किलोग्राम का स्क्वाट शामिल था। इसके अलावा उन्होंने गुवाहाटी, हावड़ा और दुर्ग में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा, उन्होंने 12 राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अपनी एथलेटिक प्रतिबद्धताओं के बीच, दीपक ने शिक्षा को प्राथमिकता देना जारी रखा है। उन्होंने हाल ही में अपनी 10 वीं कक्षा की परीक्षा दी और यह प्रदर्शित किया कि ज्ञान भी शारीरिक फिटनेस जितना ही महत्वपूर्ण है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

पाइपलाइन टूटने से पीने के पानी की समस्या, रोड निर्माण प्रभावित

रायपुर। शहर के नागरिक इन दिनों पेयजल को लेकर एक तरह से न केवल घिरे हुए हैं। शहर की मेनरोड नेशनल हाइवे में चौड़ीकरण का काम हो रहा है। इससे रोज पाइपलाइन टूट रहा है। पाइपलाइन टूटने की वजह से पेयजल तो प्रभावित हो ही रहा है। बल्कि सड़क के काम में विलंब का एक कारण यह भी बनता जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन पाइपलाइन टूटने की वजह से हलाकान है।

चूंकि पर्याप्त मात्रा में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। शनिवार दोपहर पालिकाध्यक्ष धनराज मध्यानी, सीएमओ संतोष विश्वकर्मा वार्ड नं 2 जो सड़क किनारे हैं यहां पहुंचे। इन्होंने पाइपलाइन टूटने को लेकर कहा कि इसकी जिम्मेदारी सड़क बनाने वाले ठेकेदार और पीएचई विभाग की है। जिनके वजह से रोज ऐसी नौबत आ रही है। अब तक कोई सौ से अधिक जगहों पर पाइपलाइन टूट चुकी जिसे फिर से बनाने में पालिका को मशक्कत करना पड़ती है। मौके पर विभाग के इंजीनियर ऋषि सेन पहुंचे। वे भी पाइपलाइन के टूटे हुए हिस्से को देखा। बताया कि इसकी पूरी जवाबदारी पीएचई विभाग की है। पीडब्लूडी द्वारा डेढ़ साल पहले पीएचई को रोड के नीचे पाइपलाइन को सड़क किनारे नाली से लगे हुए शिफ्टिंग के लिए पूरी राशि दे दी गई है। बावजूद पीएचई द्वारा इस काम को गंभीरता से नही किया गया है जिसका खामियाजा नगर की जनता, पीडब्लूडी और नगर पालिका प्रशासन को भोगना पड़ रहा है। डेढ़ साल का समय कम नही होता। यदि पीएचई विभाग गंभीरता के साथ सड़क निर्माण काम के शुरू होने के पहले इसे कर देता तो ऐसी नौबत नहीं आती। सड़क का काम भी कब का पूरा हो जाता और जनता तथा पालिका प्रशासन को परेशानियों का सामना करना नहीं पड़ता। पालिकाध्यक्ष धनराज मध्यानी एवं सीएमओ संतोष विश्वकर्मा ने कहा कि पाइपलाइन फूटने की सूचना पर वे निरीक्षण के लिए आए है। अब तक कोई सौ जगह को तोड़ चुके पाइपलाइन को बनाते-बनाते परेशान हो गए हैं। आए दिन सड़क बनाने वाले पाइपलाइन को तोड़ रहे है। पीएचई को नजर नहीं आती।

दो माह बाद भी स्मार्ट सिटी की वेबसाइट अपडेट नहीं

रायपुर। स्मार्ट सिटी रायपुर की वेबसाइट सालों से अपडेट नहीं हो पाई है। सालों से इसमें कोई भी जानकारी अपलोड नहीं की जाती है। स्मार्ट सिटी की हिन्दी और इंग्लिश दोनों तरह के वेबसाइट हैं। दोनों वेबसाइट में केवल एमडी मयंक चतुर्वेदी का नाम ही बस अपडेट किया गया है। उसके अलावा कोई भी जानकारी वेबसाइट पर अपडेट नहीं हो रही है। इसके अलावा हिन्दी वेबसाइट में जो भी कंटेट दिए गए है उसको पढ़ने के लिए आपको इंग्लिश वेबसाइट पर जाना होगा। पांच साल पहले से अपडेट वेबसाइट में नहीं किया जा रहा है।

श्रीकृष्ण के प्रेम में पड़कर गोपियों ने अपनी कामनाओं को त्याग दियाः डॉ. इंदुभवानंद

रायपुर। बोरियाकला शंकराचार्य आश्रम के प्रमुख डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियों ने अपनी सभी कामनाओं को त्याग दिया। डुंडा कौशल्या माता विहार में आयोजित भागवत कथा में रास रहस्य की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने गोपियों को अपराधी ठहराया। फिर उन्हें उकसा कर उन्हीं के मुंह से अपने प्रति प्रेम को प्रकट कराया।

महाराज ने कहा कि जब किसी के मन विपरीत कोई बात कही जाती है, तब उसके मन में छुपी बातें सामने आ जाती हैं। गोपियों के हृदय में श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम तब तक प्रकट नहीं हुआ जबतक भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें लौटने के लिए नहीं कहा। कथा से पहले यजमान सुंदरलाल साहू, विद्या साहू, रघुनाथ साहू, सुखदेव साहू ने पोथी पूजन किया। कथा में नंदकुमार देवांगन, भरत साहू, राधे साहू, गंगा साहू समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रायपुर में हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्विद्यालय को संबोधित किया

युवाओं के लिए देश में आगे बढ़ने का बेहतरीन अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान भेजा है, हमने संसद के विशेष सत्र में महिलाओं को आरक्षण देकर युगांतकारी विकास किया है। हम विघटनकारी प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और इसे विकसित करने के लिए दूसरों की प्रतीक्षा नहीं कर रहे हैं, चाहे वह क्वांटम कंप्यूटिंग हो, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन या 6जी, अब आपके लिए सब कुछ उपलब्ध है। आप दुनिया के सबसे अच्छे हिस्से में हैं। आपको केवल फ्रंटफुट पर खेलना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य उन्मुख निर्णायक नेतृत्व दे रहे हैं। युवाओं के लिए आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर हैं। यह बात उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में अपने संबोधन के अवसर पर कही। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि आज देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का शुभ अवसर मिला है आप सब सौभाग्यशाली हैं।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए देश में आज एक ऐसा वातावरण बना है जिसमें सबके साथ समान व्यवहार किया जाता है और सभी को समान अवसर उपलब्ध हैं। लोकतंत्र का सही मतलब सबको समान अवसर प्रदान करना है, उन्होने कहा कि जब तक सभी को सामान अवसर नहीं मिलते तब तक प्रजातंत्र का कोई अर्थ नहीं होता, देश में सभी के लिए समान कानून व्यवस्था का होना आवश्यक है। कानून से ऊपर कोई नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश में एक ऐसी न्यायिक व्यवस्था बनाई जा रही है जिसमें आपको न्याय के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा, उन्होने कहा कि इस समय हमारे देश में एक बहुत ही प्रतिभाशाली मुख्य न्यायाधीश हैं उन्होंने न्याय चाहने वालों के लिए न्यायिक व्यवस्था तक उनकी पहुंच को आसान बनाया है।

भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति होगा -उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने लोगों को याद दिलाते हुए कहा कि एक समय था जब मैं 1981 में संसद का सदस्य बना उस समय देश की आर्थिक साख को बचाने के लिए देश के सोने को विदेशों में गिरवी रखना पड़ा था, एक दशक पहले हमारे देश को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और दुनिया चिंतित थी, अब देखो दस साल में हम कहां से कहां पहुंच गए आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन गए हैं, हमने फ्रांस और यूके को जिन्होंने हम पर सदियों तक राज किया उनको पीछे छोड़ दिया है भारत पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से निकलकर पांचवीं सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बना यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, 2030 तक हम जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

उपराष्ट्रपति ने आगे जोड़ देते हुए कहा कि आज देश में अवसरों की कमी नहीं है आपको अपनी प्रतिभा को पहचान कर आगे बढ़ना होगा सरकार आपकी हर संभव सहायता करने के लिए तैयार है। भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, आज डिसरप्टिव टेक्नोलॉजी हमारे सामने एक चुनौती बनकर उभरी है जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकी का सामना करना एक चुनौती है, आज दुनिया आज भारत की ओर देख रही है, भारत दुनिया में इन्वेस्टमेंट के लिए निवेश के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने वर्ष 2022 में कमाल कर दिया है भारत का डिजिटल ट्रांजेक्शन यूके, यूएसए, फ्रांस और जर्मनी से चार गुना ज्यादा रिकॉर्ड किया गया,भारत का प्रति व्यक्ति डाटा कंजप्शन अमेरिका और चीन से भी ज्यादा है, भारत का उदय अभूतपूर्व रूप से आगे बढ़ रहा है और यह विकास यात्रा रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा अमृत काल गौरव कल बन चुका है, 2047 में हम में से कुछ लोग यहां नहीं होंगे लेकिन आप भारत के योद्धा बनकर भारत को विकसित भारत बनाएंगे, हमें पूरा विश्वास है कि भारत विश्व गुरु होगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत में जो भी विकास संभव हुआ है और जो भारत ऊंचाइयों पर जा रहा है उसके पीछे एक दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है हमारे प्रधानमंत्री ने विश्व स्तर पर भारत को जो सम्मान दिलाया है वह अभूतपूर्व है आज दुनिया भारत की ओर देख रही है और भारत की राई मानती है और भारत का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। देश के बाहर जाकर देश की खिलाफ गलत नॉरेटिव बनाने वाले लोगों को और उनके चेहरे को सबके सामने एक्सपोज करना पड़ेगा।

महिला आरक्षण विधेयक का पास होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि

उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया गया उन्होंने कहा महिला आरक्षण विधेयक का पास होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है आने वाले समय में उसके परिणाम दिखाई देंगे और महिलाओं की प्रतिभा गीता राजनीति में अभूतपूर्व रूप से बढ़ेगी।

23 अगस्त को राष्ट्रीय स्पेस डे घोषित, बड़ी उपलब्धि -उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने चंद्रयान 3 की चंद्रमा के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के लिए अभूतपुर उपलब्धि है जो कोई देश नहीं कर पाया भारत ने वह संभव करके दिखाया 23 अगस्त को राष्ट्रीय स्पेस डे घोषित किया जाना भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है हमें भारतीय उपलब्धियां पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा कि भारत की संस्कृति और लोकाचार 5000 वर्षों से भी अधिक पुराने हैं दुनिया ने जी-20 के दौरान भारत की संस्कृति को बारीकी से देखा और भारत की सभ्यतागत लोकाचार और संस्कृति का लोहा माना भारत जैसी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दुनिया में किसी भी देश के पास नहीं है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायधीश, एवं हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्विद्यालय के कुलपति, रमेश सिन्हा, पूर्व न्यायाधीश, उप कुलपति, प्रोफेसर डॉ. विवेकानंद, जस्टिस डी. रघुराम, पूर्व निदेशक, रजिस्ट्रार, विश्विद्यालय के प्रवक्ता, विश्वविद्यालय के छात्र तथा अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुनिया का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम हमारे देश में

श्री धनखड़ ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के कारण आज देश में हर घर में टॉयलेट, गैस सिलेंडर और नल से जल पहुंचाया गया है सभी नागरिकों को बैंकिंग सेक्टर से जोड़ा जाना एक महान उपलब्धि है, आज किसानों को सीधे उनके खातों में सहायता पहुंचाई जा रही है भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम हमारे देश में उपलब्ध है यशोभूमि एक अत्यंत भव्य कन्वेंशन सेंटर भी बनाया गया है जो कि देखने लायक है। श्री धनखड़ ने कहा कि भारत तेज गति से क्वांटम कम्प्यूटर और हाइड्रोजन कमिशन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है यह उपलब्धियां हासिल करने वाले देश दुनिया में अभी बहुत कम हैं। उपराष्ट्रपति ने हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्विद्यालय के छात्रों से संवाद किया और उन्हें नई संसद भवन को देखने के लिए आमंत्रित किया।

छालीवुड सितारे की पहले चुनाव में ही लंबी छलांग

रायपुर। धरसींवा विधानसभा सीट से मैदान में उतरे छॉलीवुड सितारे अनुज शर्मा ने अपने पहले ही चुनाव में 40 हजार से ज्यादा वोटों से जीतकर सभी को चौंका दिया। हालांकि अनुज के सामने कांग्रेस की कद्दावर महिला नेता छाया वर्मा मैदान में थीं। अनुज को जब टिकट मिली तब धरसींवा में उन्हें बाहरी बताने का प्रयास किया गया। कुछ स्थानीय नेताओं ने विरोध भी किया। इसके बावजूद अनुज ने चुनाव में बड़ी जीत हासिल की।

स्टूडेंट्स ने गौतम बुद्ध के जीवन को मंच पर जीवंत किया

रायपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होली हार्ट स्कूल का एनुवल फंक्शन आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। क्लास 1 से लेकर 5 वीं तक के स्टूडेंट्स ने भांगड़ा, राजस्थानी, बंगाली, मराठी, छत्तीसगढ़ी गानों पर डांस की प्रस्तुति दी। वहीं क्लास 2 से लेकर 5वीं तक के 36 स्टूडेंट ने एक साथ मंच पर राजकुमार सिद्धार्थ से गौतम बुद्ध बनने की यात्रा को डांस और ड्रामा के जरिए दिखाया।

इसी के साथ बच्चों के ग्रुप ने रानी लक्ष्मी बाई के जीवनगाथा को डांस के जरिए मंच पर दिखाया। बच्चों की इस शानदार प्रस्तुति को देख ऑडिटोरियम तालियों से गूंज उठी। वहीं पीपी2 के 55 स्टूडेंट्स ने एक साथ ड्रामा के जरिए वृक्ष बचाओ का संदेश दिया। कार्यक्रम में रविवि के पूर्व कुलपति प्रो. एसके पांडे, डॉ. अनूप वर्मा, संस्था के चेयरमैन आचार्य सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रिंसिपल नीपा चौहान, प्रिंसिपल हिमाली सिंह, हेड मिस्ट्रेस शालिनी अग्रवाल, वाइस प्रिंसिपल सुनीता टंडन सहित अन्य शामिल रहे।

रामलीला की प्रस्तुति ने मन-मोहा

इसी तरह स्कूल के पीपी 1- से लेकर क्लास 11वीं तक के स्टूडेंट्स ने छत्तीसगढ़ी, पंथी, स्पोर्ट्स, इसरो की गौरव गाथा की प्रस्तुति दी। वहीं क्लास 5 वीं स्टूडेंट्स 41 स्टूडेंट्स ने 15 मिनट तक रामलीला की शानदार प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने लोगों को बांधे रखा।

1990 में पहली बार विधायक बने बृजमोहन 8वीं बार जीते, 67851 वोटों से दर्ज की जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा के रायपुर दक्षिण प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने इस चुनाव में जीत दर्ज कर लगातार 8वीं बार विधायक बनने का रिकॉर्ड बना लिया है।बृजमोहन अग्रवाल पहली बार अविभाजित मध्यप्रदेश के दौरान 1990 में विधायक बने थे। इसके बाद 1993 और 1998 में भी विधायक रहे। छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के बाद से वह लगातार विधानसभा का चुनाव जीतते आ रहे हैं।

लगातार बड़ी लीड

दक्षिण विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने 67851 वोटों से जीत दर्ज की है। उन्हें राजधानी के 20 वार्डों में बढ़त मिली है। इसमें 8 भाजपा और 12 कांग्रेस के पार्षद हैं। जबकि इस वार्ड में महापौर एजाज ढेबर, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे का वार्ड भी आता है। ब्राम्हणपारा में कांग्रेस को मात्र 55 और भाजपा को 5000 वोट मिले। नामांकन के दिन महंत राम सुन्दर दास से आशीर्वाद लेने वाले बृजमोहन अग्रवाल ने आखिरकार गुरु को हरा दिया। इसमें दोनों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। भाजपा के विजयी प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि भाजपा की विकास कार्यों, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गांरटी और कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा की वापसी हुई है। अब जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए जितने भी विकास कार्य रूके हुए थे उन सभी को पूरा करेंगे।

टीम पर आयोग को भरोसा, कंगाले ही करवाएंगी लोकसभा चुनाव

रायपुर। जॉन राजेश पॉल प्रदेश में अगले साल ग्रीष्मकाल में होने वाले लोकसभा चुनाव वर्तमान सीईी रीना बाबा साहब कंगाले ही करवाएंगी। दरअसल विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक कराने को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग उनके काम से संतुष्ट बताया गया है। कंगाले के साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वर्तमान टीम में भी फेरबदल की गुंजाइश नहीं के बराबर है।

सूत्रों के अनुसार कंगाले की वर्तमान टीम ने लोकसभा चुनाव की तैयारी भी प्रारंभ कर दी है। लोकसभा चुनाव में सीटों का एरिया भी बड़ा रहता है। इस चुनाव में गरमा-गरमी जैसा माहौल भी नहीं के बराबर रहता है। इस वजह से कंगाले को मुफीद समझा जा रहा है। जल्द ही ही मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया जाएगा। ट्रेनिंग प्रोग्राम भी बनाया जा रहा है। कंगाले की वर्तमान टीम में तीन ज्वाइंट सीईओ नीलेश क्षीरसागर, विपिन मांझी और के आरआर सिंह शामिल हैं। इनके अलावा डिप्टी सीईओ में यूएस अग्रवाल, विनय अग्रवाल, अपूर्व प्रियेश टोप्पो और आशीष टिकरिहा हैं।

कामना सराफज्वाइंट डायरेक्टर हैं जो वित्त का काम संभाल रही हैं। असिस्टेंट सीईओ

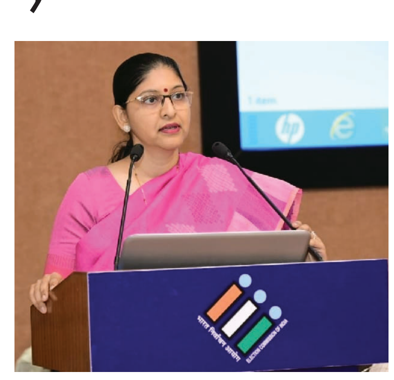

शारदा अग्रवाल,प्रकाश त्रिपाठी, रश्मि वर्मा, रूपेश वर्मा व अरविंद शर्मा हैं। हालांकि नए सीईओ या दूसरे अफसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया है कि इसके लिए चुनाव आयोग अफसरों के नामों का पैनल मंगवाता है। इन्हीं में से किसी नाम पर मुहर लगती है। सामान्यतया यह परंपरा भी रही है कि विधानसभा चुनाव कराने वाला सीईओ ही लोकसभा चुनाव कराता है। अगर आयोग खुद बदलाव न चाहता हो। इसकी वजह यह कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में 3-4 महीनों का ही अंतर रहता है। मालूम हो कि विधानसभा चुनाव का व्यय राज्य सरकार व लोकसभा चुनाव का केंद्र सरकार वहन करती है।

महिलाओं पर रहा फोकस

कंगाले ने महिला शक्ति के सहारे विधानसभा चुनाव की वैतरणी पार करवाई। रायपुर उत्तर सीट के सभी बूथों पर महिलाओं ने चुनाव करवाकर देश में बड़ा संदेश देकर नई परंपरा प्रारंभ की। 5 जिलों में कलेक्टर सह जिला निर्वाचन अधिकारी थीं। सीईओ कार्यालय में सीईओ के अतिरिक्त कई महिला अफसर हैं। चुनाव में रिटर्निंग अधिकारी से लेकर मतदान दल में महिलाएं चुनावी ड्यूटी पर थीं। 21 रिटर्निंग अधिकारी, 36 सहायक रिटर्निंग अधिकारी, 16 हजार 808 महिला मतदान कर्मी भी शामिल थीं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हेयर कॉम्ब करने का यह है सही तरीका, तुरंत सुलझ जाएंगे बाल...साथ ही होंगे ये फायदे

अपने बालों को अच्छे से संवारने के लिए उनमें कंघी करना बेहद जरूरी है। लोग अक्सर ऊपर से नीचे की ओर कंघी करते हैं लेकिन क्या आपको पता है अगर आप नीचे से ऊपर की ओर कंघी करेंगे तो इससे आपको कई सारे फायदे मिलते हैं। आज हम आपको इसके फायदे के बारे में बताएंगे। इंस्टाग्राम पेज हेयर सेवियर्स के मुताबिक बालों को नीचे से ऊपर की ओर धीरे से ब्रश करने से बाल हेल्दी और सेहतमंद होता है। अगर आप नीचे की और से बाल झाड़ेंगे तो बाल की गांठें तुरंत सुलझ जाती है। इससे बाल में खिंचाव कम होता है। साथ ही साथ टूटने और दोमुंहे बाले से भी छुटकारा मिल जाता है।

उलझे हुए बाल की रोकथाम- अगर आपके बाल काफी ज्यादा उलझे हुए रहते हैं या उसमें गांठ पड़ जाती है तो आप इस तरीके से कंघी कर सकते हैं।

बाल में खींचाव

हेयर ब्रश को नीचे से ऊपर की बाल झाड़ने से तुरंत सुलझ जाते हैं। उसमें उलझे हुए बाल में गांठ पड़ जाती है। इसे आप कंघी से ही ठीक कर सकते हैं।

बाल कम खींचना

नीचे से ब्रश करने से बालों को जड़ों से उखाड़ने की संभावना कम हो जाती है, जिससे असुविधा हो सकती है और संभावित रूप से समय के साथ बाल झड़ने लगते हैं।

कम टूटना

गीले होने पर बालों के टूटने की संभावना अधिक होती है। जब बाल सूखे हों तो नीचे से शुरू करने से उनका टूटना कम हो जाता है, जिससे ब्रश करने का अनुभव अधिक सहज और स्वस्थ होता है।

खोपड़ी पर कोमल

नीचे से धीरे से ब्रश करना खोपड़ी के लिए दयालु होता है, अनावश्यक जलन को रोकता है। यह खोपड़ी के रक्त परिसंचरण को भी उत्तेजित करता है, जिससे बालों के समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

बालों की संरचना को बनाए रखता है

बालों के बढ़ने की दिशा में ब्रश करने से बालों की प्राकृतिक संरचना और संरेखण को बनाए रखने में मदद मिलती है। यह साफ-सुथरा दिखने में योगदान दे सकता है और फ्रिज के जोखिम को कम कर सकता है।

अजय देवगन की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म का नाम होगा शैतान आर माधवन से होगी भिड़ंत

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन को आखिरी बार फिल्म भोला में देखा गया था, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।अब अजय एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनकी भिड़ंत आर माधवन से होगी। यह फिल्म वश नाम की गुजराती फिल्म का हिंदी रीमेक होगी। ताजा खबर यह है कि अजय और माधवन की यह फिल्म शैतान नाम से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन विकास बहल करने वाले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शैतान की शूटिंग खत्म हो चुकी है और इसका ज्यादातर हिस्सा मुंबई, मसूरी और लंदन में शूट हुआ है। यह अजय और माधवन की साथ में पहली फिल्म है। इस फिल्म को पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले अजय, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक द्वारा निर्मित किया जा रहा है। अजय इससे पहले भी सुपरनैचुरल थ्रिलर जॉनर में काम कर चुके हैं, जिसमें भूत और काल जैसी फिल्मों का नाम शामिल है।

अजय जल्द ही मैदान में नजर आने वाले हैं, जो भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम वर्षों पर आधारित है। इसका निर्देशन अमित रविंद्रनाथ शर्मा ने किया है।इसके अलावा वह रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।इसमें दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, करीना कपूर खान और टाइगर श्रॉफ भी हैं। औरों में कहां दम था भी अजय के खाते से जुड़ी है।

अब हर जगह मिल रही है कागज वाली स्ट्रॉ मगर कैमिकल बॉडी में कर रहे हैं ये दिक्कत!

सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने के लिए काफी कोशिश की जा रही है। अब किसी भी रेस्टोरेंट में जाइए, आपको कोई भी ड्रिंक पीने के लिए कागज वाली स्ट्रॉ दी जाती है। यहां तक कि जो पैकेट बंद ड्रिंक आ रहे है, उनके साथ भी प्लास्टिक की जगह कागज वाली स्ट्रॉ का इस्तेमाल हो रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने के लिए इसे अच्छा कदम भी माना जा रहा है। लेकिन, इसी बीच एक ऐसे स्टडी सामने आई है, जो डराने वाली है। दरअसल, इस स्टडी में सामने आया है कि पेपर वाली स्ट्रॉ को बनाने के लिए खतरनाक कैमिकल का इस्तेमाल हो रहा है।

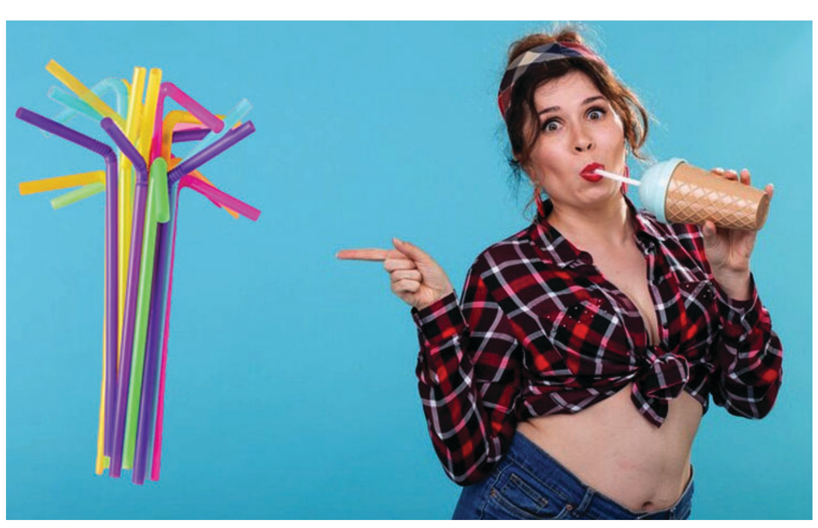

इस कैमिकल का असर आपकी हेल्थ पर भी पड़ रहा है और ऐसे में इस पेपर स्ट्रॉ को भी हेल्थ के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है। तो जानते हैं कि आखिर इस स्ट्रॉ से जुड़ी स्टडी में क्या कहा गया है और किस आधार पर इसका इस्तेमाल गलत माना जा रहा है।

स्टडी में क्या कहा गया है?

रिपोर्ट के अनुसार कुछ रिसर्चर्स ने एक स्टडी की है, जिसमें सामने आया है कि पेपर स्ट्रॉ से कोई भी ड्रिंक पीना नुकसानदायक हो सकता है। इस स्टडी में दावा किया गया है कि इन स्ट्रॉ में कुछ टॉक्सिक कैमिकल होते हैं, जो लोगों के लिए खतरनाक होने के साथ ही दूसरे जीवों और पर्यावरण के लिए भी खतरा पैदा कर सकती हैं। स्टडी में कहा गया है कि जब कई स्ट्रॉ पर रिसर्च की गई तो सामने आया कि कागज और बांस की बनी स्ट्रॉ में पॉली- और पेरफ्लूरोएल्काइल पदार्थ (पीएफएएस) मिला है।

बता दें कि पीएफए के लिए कहा जाता है कि ये काफी लंबे समय तक जीवित रहते हैं और इंसानों की हेल्थ के लिए खतरनाक है। स्टडी के अनुसार, बाजार में पेपर स्ट्रॉ बना रही करीब 20 में से 18 कंपनियों की स्ट्रॉ में शामिल है। हालांकि, अभी ये सामने नहीं आया है कि क्या ये पीएफए उस ड्रिंक में भी घुल जाता है।

ये कैमिकल ऐसे होते हैं कि ये लंबे समय तक आपके शरीर में रह सकते हैं। इस कैमिकल की वजह से शरीर में थायराइड, कॉलेस्ट्रॉल बढ़ने, लिवर में दिक्कत, किडनी में कैंसर, जन्म के समय कम वजन, टीकों का असर कम होना जैसी दिक्कत हो सकती हैं। वहीं, इस स्टडी में ये भी सामने आया है कि किसी भी स्टील स्ट्रॉ में पीएफएएस निशान नहीं पाया गया और वो सेफ हैं। बता दें कि बड़ी मात्रा में कागज की स्ट्रॉ में पीएफएएस की उपस्थिति वॉटर कोटिंग की वजह से है।

फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ काम करना अद्भुत था: तृप्ति डिमरी

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 1 दिसंबर को रिलीज हुई एनिमल ने सैम बहादुर के साथ हुए क्लैश के बावजूद ओपनिंग डे पर शानदार कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले दिन वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर इस साल की दसरी सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बनी।

फिल्म एनिमल में भले ही रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आई लेकिन उनसे ज्यादा फैंस का ध्यान एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने खींचा। सोशल मीडिया पर इस वक्त हर तृप्ति छाई हुई हैं। दरअसल, फिल्म में उन्होंने रणबीर कपूर के साथ कुछ कुछ इंटीमेट सीन्स दिए हैं। जिसकी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। इस बीच तृप्ति ने रणबीर के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया।

तृप्ति डिमरी ने कहा कि, रणबीर कपूर के साथ काम करना अद्भुत था। वह एक महान अभिनेता हैं होने के साथ वह सभ्य और खुशनुमा इंसान हैं। यह देखना काफी अच्छा लगता है कि तमाम फैंस हमारी केमिस्ट्री को इतना प्यार दे रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम भविष्य में फिर से किसी और प्रोजेक्ट के लिए सहयोग करेंगे।

बता दें कि, फिल्म एनिमल में तृप्ति का बहुत छोटा सा किरदार है। उन्होंने जोया का किरदार निभाया है जिसका रणबीर कपूर के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा था। फिल्म में दोनों के कई बोल्ड सीन दिखाए गए हैं। जिसकी वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। कुछ लोगों ने इस फिल्म की जमकर तारीफ की तो कुछ ने इसे परिवार के साथ ना देखने की सलाह भी दी। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और अनिल कपूर लीड रोल में नजर आए। फिल्म की कहानी पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है। फिल्म ने दो दिनों में कुल 130 करोड़ की कमाई कर ली। देखना होगा कि आने वाले दिनों में एनिमल और कितने रिकॉर्ड तोड़ पाती है।

एनिमल बन बॉक्स ऑफिस पर गरजे रणबीर कपूर!

दूसरे दिन तोड़ डाला शाहरुख खान की फिल्म जवान का रिकॉर्ड

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई है और रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई है। पहले दिन ही 60 करोड़ से ज्यादा की कमाई के साथ यह रणबीर कपूर के अब तक की हाईएस्ट ओपनिंग फिल्म बन गई है। इससे पहले ही रिकॉर्ड उनकी फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन- शिवा के पास था जिसने 36.42 करोड़ रुपए की ओपनिंग की थी।

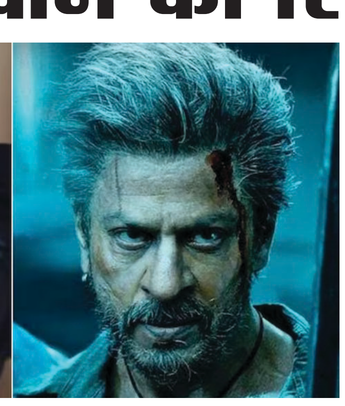

पहले दिन की धुंआधार परफॉर्मेंस के बाद दूसरे दिन भी एनिमल की लॉटरी लग गई है। वीकेंड पर फिल्म ने पहले दिन से ज्यादा का कारोबार किया है। ट्रेड एनालिसिट तरण आदर्श के मुताबिक जहां एनिमल ने पहले दिन 54.75 करोड़ रुपए कमाए थे तो वहीं दूसरे दिन 58.37 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इसी के साथ फिल्म दो दिनों में ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ के पार हो गई है और फिल्म का टोटल कलेक्शन 113.12 करोड़ रुपए हो गया है।

एनिमल ने अपनी परफॉर्मेंस से बॉक्स ऑफिस को ऐसा रिझाया कि इसने दूसरे दिन कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। रणबीर कपूर की फिल्म ने बड़ी आसानी से शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दरअसल जहां एनिमल ने दूसरे दिन 58.37 करोड़ की शानदार कमाई की है तो वहीं जवान ने दूसरे दिन 53.23 करोड़ रुपए का ही बिजनेस किया था। इसके अलावा सनी देओल की गदर 2 (43.08) के दूसरे दिन कलेक्शन भी एनिमल से काफी कम रहा है।

संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी फिल्म एनिमल बाप-बेटे के टॉक्सिक रिलेशनशिप की कहानी है। फिल्म में रणबीर के साथ अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल भी लीड रोल निभाते नजर आए हैं।

निक्की तंबोली के बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

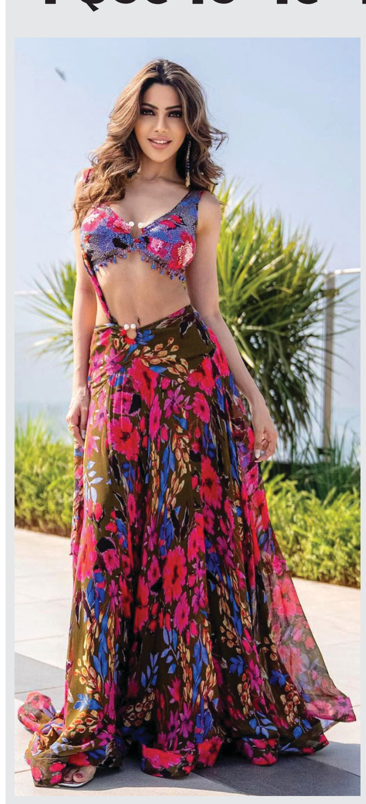

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्रम पर शेयर करती हैं तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। एक्ट्रेस निक्की तंबोली की हमेशा पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पर देखने को मिलती रहती है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में निक्की तंबोली ने फ्लोरल ब्रालेट टॉप पहना हुआ है और साथ ही फ्लोरल स्कर्ट भी पहनी हुई है। एक्ट्रेस निक्की तंबोली का ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। स्मोकी आईज मेकअप और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस निक्की ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। निक्की अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस और हॉट अंदाज में अलग-अलग पोज देते हुए तस्वीरें क्लिक करवा रही हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बैगलेस डेः सुबह की प्रार्थना सभा और पीटी के बाद बच्चों ने किया वन भोज

रायपुर। शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला अचानकपुर के बच्चों के लिए शनिवार को वन भोज का आयोजन भीमसन पांव में किया गया। अचानकपुर, जंगलपुर और मगरकुण्ड के करीब भीमसन पांव हरे-भरे पेड़-पौधों से घिरा हुआ है। जहां एक जल कुंड है। स्थानीय निवासियों की मानें तो इस कुंड में साल भर पानी भरा रहता है। बैगलेस डे पर बच्चों ने वन भोज का आनंद लिया। वन में ही बच्चों के लिए भोजन बनाया गया। सुबह की प्रार्थना सभा, पीटी, अटेंडेंस अन्य दिनों की तरह यथावत रही। इसके बाद बच्चों के बीच विभिन्न गतिविधियां हुई। सर्वप्रथम केसरी और सानिया ने जंगल के राम कहानी सुनाई। शिक्षक पटेल ने अनेक जंगली जानवरों की आवाजें निकाल कर पहचानने के लिए कहा गया। बच्चों के पुस्तक में दिए जंगल से संबंधित पाठों को बच्चों से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने का प्रयास किया गया, जिसमें सबसे अधिक पेड़ों के नाम, आदिमानव का जीवन जैसे विषय शामिल किए गए। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अचनाकपुर के प्रधान पाठक पन्ना लाल जंघेल, प्राथमिक स्कूल की प्रधान पाठक सुमित्रा कामड़े, शिक्षक गल्ला राम रोड़गे, धर्मशीला जंघेल, प्रमोद साहू, उजय जंघेल मौजूद थे।

सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है जिससे सभी सरकारी कर्मियों को गुजरना पड़ता है

पंडरिया। गंडई पंडरिया नगर के नजदीकी ग्राम धोधा के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में पदस्थ प्रधान पाठक खेमलाल सोनी के सेवानिवृत्त होने पर 30 नवंबर को सम्मान समारोह का आयोजित करि वदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन बिरनपुर स्कूल के शिक्षक देवीदिन साहू ने करते हुए बताया कि प्रधान पाठक सोनी के लगभग दो वर्ष पांच माह सेवाकाल के दौरान इस विद्यालय के विकास एवं उपलब्धि में किए योगदान की सराहना की। वे भूरभुसी स्कूल से उच्च वर्ग शिक्षक से पदोन्नत होकर इस विद्यालय में आए थे। वे मूलतः गंडई पंडरिया से हैं।ि वदाई सम्मान कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य दुर्जन राम जंघेल ने कहा कि प्रधानपाठक सोनी अपने कार्यकाल के दौरान निस्वाथः निष्ठापूर्वक व समर्पित भाव से सेवा की है। वे कर्मठ मृदुभाषी होने के साथ-साथ शिक्षा प्रेमी भी हैं। सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है जिसे सभी सरकारी कर्मियों को गुजरना पड़ता है। बच्चों का पूरा स्नेह मिला है- सोनीः सेवानिवृत्त प्रधान पाठक सोनी ने भी अपने विचार व्यक्ति कए। इस विद्यालय में पदस्थ शिक्षक-शिक्षिका व बच्चों का पूरा स्नेह मिला है, जिसके लिए मैं सदैव आभारी रहूंगा।

दलहन की फसल का बढ़ा रकबा, रबी में धान के लिए इस बार नहीं मिला लक्ष्य

महासमुंद। जिले में इस वर्ष दलहन फसल का रकबा बढ़ा है। 2023-24 में दलहन की फसल 4.250 हजार हेक्टेयर में ली जाएगी। साथ ही 1.950 हेक्टेयर में तिलहन की फसल ली जाएगी। वहीं रबी सीजन के लिए लगातार दूसरे साल धान की फसल के लिए कृषि विभाग को कोई लक्ष्य नहीं मिला है। किसानों को रबी सीजन में दलहन और तिलहन की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बता दें कि धान फसल के लिए अधिक पानी की जरूरत होती है। इसलिए रबी सीजन के लिए किसानों को बांधों के पानी या बोर के भरोसे रहना पड़ता है। जिले में एक-दो ही बड़े बांध हैं, जो रबी में भी किसानों को पानी देने की क्षमता रखते हैं। कोडार बांध से ही रबी फसल के लिए पानी दिया जाता है। बारिश अच्छी होने पर बांध का जलस्तर रबी में पानी देने लायक रहता है, तभी पानी दिया जाता है। साल 2023 में रबी फसल के लिए किसानों को कोडार से पानी दिया गया था, जबकि 2022 में पानी नहीं दिया गया था। इसके अलावा बड़े किसान जिनके पास बोर की सुविधा होती है वही फसल लेने के लिए सक्षम होते हैं।

विधानसभा निर्वाचन 2023 : मतगणना कार्य संपन्न

राजनांदगांव। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत चारों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन की मतगणना आज छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाऊसिंग कॉर्पोरेशन बंसतपुर राजनांदगांव में शांतिपूर्ण संपन्न हुई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह के मार्गदर्शन में सबसे पहले निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों एवं उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में डाक मतपत्रों की मतगणना की गई। इसके बाद चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ की गई। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) से इंडियन नेशनल कांग्रेस की हर्षिता स्वामी बघेल, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव से भारतीय जनता पार्टी के डॉ. रमन सिंह, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव से इंडियन नेशनल कांग्रेस के दलेश्वर साहू एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी से इंडियन नेशनल कांग्रेस के भोलाराम साहू को निर्वाचित घोषित किया गया।

भाजपा की जीत का तीन महीने पहले बनाया फार्मूला हुआ सुपरहिट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में तीन महीने पहले प्रत्याशी घोषित करने का फार्मूला हिट हो गया। घोषणा-पत्र भी भाजपा ने कांग्रेस से पहले जारी किया था। भाजपा ने आचार संहिता लागू होने के 54 दिनों पहले और चुनाव से करीब तीन महीने पहले 21 अगस्त को 21 प्रत्याशियों की पहली सूची की घोषणा कर दी थी।

इन सीटों पर बीते कई साल से भाजपा चुनाव नहीं जीत पाई थी। इन 21 सीटों में से भाजपा ने 10 सीटों पर जीत दर्ज की है। भाजपा को यहां प्रचार-प्रसार का भरपूर समय मिला। साथ ही यहां बड़ी चुनावी सभाएं भी आयोजित की गई। पहली सूची की 11 सीटों पर भाजपा को हार मिली है। हालांकि भाजपा जीत हुई सीटों को बड़ी उपलब्धि बता रही है। तीन माह पहले 21 प्रत्याशियों की घोषणा के बाद से कांग्रेस पर भी दबाव बढ़ गया।

बस्तर और सरगुजा संभाग की 26 सीटों में 22 सीटों पर कब्जा

इधर, भाजपा प्रत्याशियों को अपनी सीटों पर प्रचार करने का भरपूर समय मिला। इस रणनीति का लाभ भी भाजपा को मिला। 2018 के चुनाव में आदिवासी बेल्ट से भाजपा लगभग साफ हो गई थी। इस बार भाजपा ने बस्तर और सरगुजा संभाग की 26 सीटों में 22 सीटों पर कब्जा किया है।

बस्तर सधा तो मिल गई सत्ता

कहा जाता है कि सत्ता तक पहुंचने का मार्ग बस्तर से तय होता है। इस बार भी ठीक यही सिद्ध हो रहा है। बस्तर की आठ सीटों पर भाजपा आई है। सरगुजा संभाग की सभी 14 सीटें भाजपा को मिल गई है।

इन 21 सीटों पर तीन पहले पहले सूची हुई थी जारी

प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, लुंड्रा, खरसिया, धर्मजयगढ़, कोरबा, मरवाही, सराईपाली, खल्लारी, अभनपुर, राजिम, सिहावा, डौंडीलोहारा, पाटन, खुज्जी-मोहला मानपुर, खैरागढ़, कांकेर, बस्तर। इन सीटों पर मिली जीतः प्रेमनगर से भूलन सिंह मरावी, भटगांव से लक्ष्मी राजवाड़े, प्रतापपुर से शकुंतला सिंह पोर्ते,रामानुजगंज से रामविचार नेताम, लूंड्रा से प्रबोध मिंज,कोरबा से लखनलाल देवांगन, मरवाही से प्रणव मरपच्ची, अभनपुर से इंद्रकुमार साहू, राजिम से रोहित साहू व कांकेर से आशाराम नेताम।

भाठागांव में रुद्र महायज्ञ व श्री शिवमहापुराण कथा आयोजन स्थल के लिए किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव ग्राम भाठागांव के एक खेत में आठ वर्ष पूर्व जमीन फोड़कर निकले भगवान स्वयंभू-शिव लिंगेश्वर के धाम में मार्च में रुद्र महायज्ञ व श्री शिवमहापुराण कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए यज्ञ वेदी शाला व श्री शिवमहापुराण कथा स्थल का भूमिपूजन शुक्रवार को पं. श्रीराम नाथ शास्त्री (कोविंद) ने किया।

इस दौरान राजनांदगांव, दुर्ग-भिलाई, रायपुर, खैरागढ़, डोंगरगढ़, डोंगरगांव व भाठागांव के आसपास के गांवों से श्रद्धालुओं ने भगवान स्वयंभू-शिव लिंगेश्वर का दर्शन कर पं. श्रीराम शास्त्री के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए व वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-पाठ कर गैंती चलाया। इस अवसर पर जिले के धर्म जागरण समिति के संयोजक व बाबा बालक नाथ पाटेश्वर धाम जामड़ी पाट लोहारा से जुड़े राजेश गुप्ता अग्रहरि सहित अन्य श्रद्धालुओं को पं. शास्त्री ने बताया कि कलियुग में केवल भगवान भोलेनाथ का नाम व भक्ति ही आधार है। मार्च में महाशिवरात्रि पर स्वयंभू-शिव लिंगेश्वर धाम भाठागांव में होने वाले रुद्र महायज्ञ व श्री शिवमहापुराण कथा में सहयोग के लिए समस्त सनातनधर्मी व श्रद्धालु बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। मंदिर के पुजारी विजेंद्र, नरोत्तम साहू, आगर साहू, खेमलाल, रोशन साहू, बीरसिंग साहू, थेनेश्वर, ईश्वर, चमन, वेदांत, हेमंत, गजेन्द्र पटेल, रोशन देवांगन, महेंद्र, अरुण दामले, धर्मेंद्र साहू ने कहा कथा आयोजन में यजमान बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन सामने आ रहे हैं। जानकारी मंदिर समिति ने नरोत्तम साहू ने दी। राजनांदगांव. भूमिपूजन में शामिल हुए श्रद्धालु व मंदिर समिति के पदाधिकारी।

विवेकानंद के आदर्शों पर चलने का किया आह्वान

श्रीकंचनपथ न्यूज

नर्रा। शासकीय कुलदीप निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्रा की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत राटापाली के शासकीय प्राथमिक शाला परिसर में किया गया। प्रथम दिवस शिविर का शुभारंभ सरपंच उत्तर कुमार ध्रुव व सचिव दीवान ने किया। बाद छात्रों ने गांव में रैली निकाली। द्वितीय दिवस सुबह योग अभ्यास किया गया।

इसके बाद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 55 से अधिक ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई। तृतीय दिवस बौद्धिक परिचर्चा में सुबोध कुमार तिवारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान दिया। चतुर्थ दिवस फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। पंचम दिवस इंजीनियर जयंत साहू ने ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में कैरियर विषय पर व्याख्यान दिया। 6वें दिवस सेजेस कोमाखान के प्राचार्य व सुपर-40 के संस्थापक हीरासिंह नायक ने शिविर में छात्रों को करियर मार्गदर्शन दिया। सप्तम दिवस समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय शंकर निगम थे। अध्यक्षता सरपंच उत्तर कुमार ध्रुव ने की। विशिष्ट अतिथि राजेश त्रिपाठी, राधेश्याम पटेल, गुलाब साहू, परमेश्वर पटेल थे। विजयशंकर निगम ने कहा कि एनएसएस ने मैं नहीं, हम की भावना जागृत करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने विद्यार्थियों को विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों को अतिथियों ने प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी कामता प्रसाद साहू व आभार प्रदर्शन प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी ने किया। नर्रा। स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित करते मुख्य अतिथि।

कांग्रेस ने जिन 22 विधायकों के टिकट काटेःउनमें से 15 सीटों पर हारी, भाजपा भी एक सीट जीती और एक हारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधायकों का टिकट काटना कांग्रेस को भारी पड़ गया। कांग्रेस ने जिन 22 विधायकों के टिकट काटे उनमें से 15 सीटें वे हार गए। यही नहीं कांग्रेस के दो विधायकों ने बगावत कर चुनाव लड़ा, वे भी चुनाव नहीं जीत पाए। वहीं भाजपा ने 13 में से 2 विधायकों के टिकट काटे थे। इसमें भाजपा एक सीट तो जीत गई लेकिन एक लहर में भी गंवानी पड़ी।

इससे यह आंकलन लगाया जा रहा है कि जिन विधायकों के टिकट कटे, उनका समर्थन पूरी तरह से प्रत्याशी को नहीं मिल पाया। कांग्रेस जिन 8 सीटों पर जीती वहां भी अधिकतर सीट पर पिछली बार की तुलना में मार्जिन कम हो गया है। भाजपा ने बिंद्रानवागढ़ जैसी पारंपरिक सीट गवां दी। यहां से भाजपा तीन बार से लगातार जीत रही थी। विधायक डमरुधर पुजारी ने टिकट कटने के बाद उनके बागी सुर सामने आए थे, लेकिन बाद में वे शांत हो गए थे। विधायकों का टिकट काटना कांग्रेस को पड़ा भारी, आधी से

अधिक सीटें हारी

कांग्रेस ने 44 हजार वोटों से जीते पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम का टिकट काटकर राजकुमारी मरावी को दे दिया। वे भाजपा की शकुंतला सिंह पोर्ते से 11,708 वोटों से हार गईं।

पंडरिया कांग्रेस ने 36 हजार वोटों से जीतीं ममता चंद्राकर की जगह इस बार नीलू चंद्रवंशी को मैदान में उतारा। नीलू भाजपा की भावना बोहरा से 26,398 वोटों से हार गए।

नवागढ़ कांग्रेस ने गुरुदयाल बंजारे की जगह मंत्री गुरू रुद्र कुमार को मैदान में उतारा था। भाजपा ने पिछली बार 33 हजार वोटों से हारे दयालदास बघेल को ही मौका दिया। दयाल ने गुरू रुद्र को 15,177 वोटों से हरा दिया है। रामानुजगंज कांग्रेस ने 32 हजार वोटों से जीते बृहस्पत सिंह का टिकट काट अजय तिर्की को मैदान में उतारा। भाजपा ने रामविचार नेताम पर दांव लगाया। नेताम ने 29,663 वोटों से तिर्की को हरा दिया है।

जगदलपुर कांग्रेस ने 27 हजार वोटों से जीते रेखचंद्र जैन का टिकट काटकर जतिन जायसवाल को मौका दिया। उन्हें भाजपा के किरणदेव सिंह ने 29,834 वोटों से हरा दिया।

महासमुंद कांग्रेस ने 23 हजार वोटों जीते विनोद चंद्राकर का टिकट काटकर डॉ. रश्मि चंद्राकर को दिया। रश्मि को भाजपा के योगेश्वर राजू सिन्हा ने 16,152 वोटों से हरा दिया।

सामरी कांग्रेस के 21 हजार वोटों से जीते चिंतामणि महाराज का टिकट काटकर विजय पैकरा को मौका दिया। भाजपा के उद्धेश्वरी पैकरा ने विजय को 13,943 वोटों से हरा दिया।

कांकेर कांग्रेस ने 19 हजार से जीते शिशुपाल सोरी का टिकट काट शंकर ध्रुवा को मौका दिया। भाजपा के आशाराम नेताम ने शंकर को 16 वोटों से हरा दिया।

धरसींवा कांग्रेस ने 19 हजार वोटों से जीती अनीता योगिता शर्मा का टिकट काट छाया वर्मा को मौका दिया। भाजपा के अनुज शर्मा ने छाया को 44,343 वोटों से हरा दिया।

चित्रकोट कांग्रेस ने 17 हजार वोटों से जीते रामजन बेंजाम का टिकट काटकर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को उतारा। भाजपा के विनायक गोयल ने उन्हें 8,370 वोटों से हरा दिया।

अंतागढ़ कांग्रेस ने 13 हजार वोटों से जीते अनूप नाग की जगह रूपसिंह पोटाई को मैदान में उतारा। वहीं भाजपा ने पिछली बार हारे विक्रम उसेंडी को मौका दिया और उन्होंने पोटाई को 23,778 वोटों से हरा दिया।

दंतेवाड़ा कांग्रेस ने 11 हजार वोटों से जीती देवती कर्मा की जगह उनके बेटे छबींद्र कर्मा को मौका दिया। भाजपा के चेतराम अटामी ने छबींद्र को 16,803 वोटों से हरा दिया।

रायपुर ग्रामीण कांग्रेस ने 10 हजार वोटों से जीते सत्यनारायण शर्मा की जगह उनके बेटे पंकज शर्मा को मैदान में उतारा। पंकज को भाजपा के मोतीलाल साहू ने 35,750 वोटों से हरा दिया।

अल्टीमेटम के बाद भी धान का उठाव नहीं तीनों जिले में आज बंद रहेगी धान खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव अल्टीमेटम के बाद भी धान का परिवहन नहीं होने के कारण 4 दिसंबर को तीनों जिले में धान खरीदी नहीं की जाएगी। माहभर बाद भी उठाव धीमा है जिसके चलते जिला सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने खरीदी नहीं करने का निर्णय लिया है। जिलेभर के समिति कर्मचारी कल गोंडवाना भवन में एक बैठक कर धान खरीदी एवं परिवहन को लेकर रणनीति तैयार करेंगे।

अधिकांश केन्द्रों में धान जाम है जिसका उठाव करने की मांग पर सप्ताहभर पहले ही समिति कर्मियों ने ज्ञापन सौंपा था वहीं खरीदी बंद करने की चेतावनी दी थी। एक नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू की गई थी लेकिन शुरूआत से ही परिवहन की गति काफी धीमी चल रही है।

एमएमसी जिले में माहभर बाद हालही में परिवहन शुरू किया गया है।

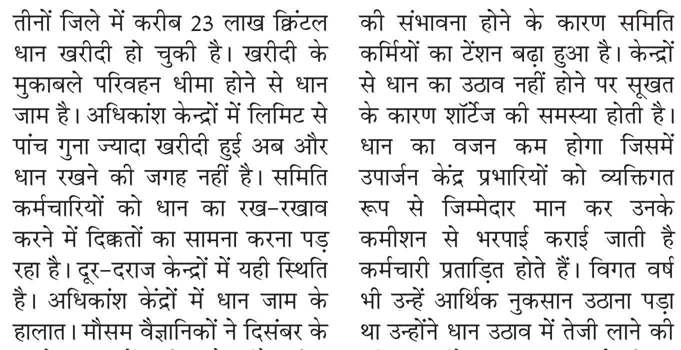

तीनों जिले में करीब 23 लाख क्विंटल धान खरीदी हो चुकी है। खरीदी के मुकाबले परिवहन धीमा होने से धान जाम है। अधिकांश केन्द्रों में लिमिट से पांच गुना ज्यादा खरीदी हुई अब और धान रखने की जगह नहीं है। समिति कर्मचारियों को धान का रख-रखाव करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज केन्द्रों में यही स्थिति है। अधिकांश केंद्रों में धान जाम के हालात। मौसम वैज्ञानिकों ने दिसंबर के पहले सप्ताह में बारिश के संकेत दिए है। मंगलवार से गुरूवार तक बारिश की संभावना होने के कारण समिति कर्मियों का टेंशन बढ़ा हुआ है। केन्द्रों से धान का उठाव नहीं होने पर सूखत के कारण शॉर्टेज की समस्या होती है। धान का वजन कम होगा जिसमें उपार्जन केंद्र प्रभारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार मान कर उनके कमीशन से भरपाई कराई जाती है कर्मचारी प्रताड़ित होते हैं। विगत वर्ष भी उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था उन्होंने धान उठाव में तेजी लाने की मांग पर लंबे समय तक प्रदर्शन किया था। राजनांदगांव जिले में 34971 किसानों से 1535842 क्विंटल धान खरीदा गया। करीब 33696 लाख रुपए का भुगतान किया गया। लिंकिंग से 118112 लाख कर्ज वसूली की, 325803 क्विंटल धान का परिवहन हुआ। केसीजी जिले में 16826 किसानों से 817002 क्विंटल धान खरीदा, वहीं 17914 लाख का भुगतान, लिंकिंग से 72 करोड़ 48 लाख वसूली हुई। 52180 क्विंटल धान का परिवहन हो चुका है। एमएमसी जिले में 7908 किसानों से 348091 क्विंटल धान की खरीदी हुई। 76 करोड़ 54 लाख का भुगतान, लिंकिंग से 2268.64 लाख कर्ज वसूला यहां 17590 क्विंटल धान का परिवहन हुआ है। प्रदेश में सरकार बनने का इंतजार भी खत्म भाजपा और कांग्रेस पार्टी की समर्थन मूल्य बढ़ाने, कर्ज माफी, बोनस देने एवं 21 क्विंटल धान खरीदी करने जैसी घोषणाओं को ध्यान में रख किसानों को भी सरकार बनने का इंतजार था।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर मिलने लगे छत्तीसगढ़ में बने प्रोडक्ट

भिलाई। रेलवे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। यही कारण है कि वन स्टेशन वन प्रोडेक्ट योजना के तहत स्थानीय कपड़ों, हस्तशिल्प, मिटटी से निर्मित वस्तुएं, हथकरघा, बांस के उत्पाद, वनोपज आदि स्टेशन पर बेचा जा रहा है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत 27 स्टेशनों में लगभग 31 स्टॉल लगाए गए है, जिसमें स्थानीय स्तर पर निर्मित एवं प्रसिद्ध वस्तुओं की बिक्री की जा रही है। इन स्टेशनों में रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत 6 स्टेशन जिसमें रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, मरौदा, दल्लीराजहरा, भाटापारा और नागपुर मंडल के अंतर्गत 11 स्टेशन जिसमें इतवारी, गोंदिया, नैनपुर, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, तुमसर रोड, भंडारा रोड, बालाघाट, कांप्टी, घंसौर एवं छिंदवाड़ा स्टेशन शामिल है। वर्तमान में रायपुर स्टेशन पर स्टॉल शुरू हो गया है। इससे स्टेशन पर यात्रियों को आसानी से छत्तीसगढ़ी उत्पाद मिलने लगा है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सूअर मारने लगाए थे बिजली तार चपेट में आकर किशोर की मौत

कोरबा (ए)। कोरबा जंगली सुअर मारने के लिए लगाए गए तार से संपर्क में आने पर करंट की चपेट में आकर एक किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद उसके व्यस्क साथियों ने उसके शव को पहाड़ के ऊपर ले जाकर छिपा दिया। और मृतक के परिजन को बताया कि किशोर कहीं लापता हो गया है। पुलिस ने जांच की तो मामला सामने आया। मामले में 8 आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। कटघोरा थाना अंतर्गत कुटेशरनगोई निवासी 17 वर्षीय किशोर परमेश्वर यादव गत सोमवार देर शाम घर से घूमने के लिए निकला तो वापस घर नहीं लौटा। परिजन ने अपने स्तर पर खोजबीन की लेकिन किशोर नहीं मिला। शनिवार को परिजन ने कटघोरा थाना पहुंचकर किशोर के अपहरण किए जाने की शंका जाहिर की। पुलिस मामले में अपहरण का मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई।

आखिरी बाद किशोर को गांव के कुछ युवकों के साथ देखा गया था। ऐसे में संदेह के आधार पर उनसे पूछताछ की गई। सोमवार को लक्ष्मीनारायण पोर्ते, कन्हैया यादव, पंचराम बिरहोर, अंजय यादव, इन्द्रकुमार नेटी, दशरथ यादव, गोपाल सिंह कंवर व भवन सिंह कंवर ने जंगल में जंगली सुअर के शिकार के लिए तार बिछाकर करंट सप्लाई की थी।

नौकरी लगाने का झांसा देकर 63 हजार की धोखाधड़ी की, आरोपी गिरफ्तार

सारंगढ़ (ए)। नौकरी लगाने के नाम पर 63 हजार रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेजा है।

सरिया की सुशीला डनसेना ने थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि मल्दा कोसीर के राजेश लहरे ने 7 जनवरी 2022 से 1 दिसंबर 23 के बीच साईं ट्रस्ट ओडिशा नामक संस्था में कोऑर्डिनेटर के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 63 हजार रुपए ठगे थे। शिकायत के बाद कोसीर पुलिस ने धारा 420 के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी राजेश लहरे के घर में दबिश दी और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। 2 दिसंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

गाय को बचाते हुए पलटी कार विधायक पुत्र बचे

बिलासपुर। बिलासपुर फोरलेन सड़क पर सरोज फ्यूल्स पेट्रोल पंप के पास गाय को बचाने के फेर में अकलतरा विधायक के छोटे बेटे की कार पलट गई। हादसे में वे बाल-बाल बच गए। शनिवार शाम बिलासपुर जा रहे विधायक सौरभ सिंह के छोटे बेटे देवव्रत सिंह की इनोवा सड़क दुर्घटना में पलट गई। इससे कार के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में विधायक के बेटे बाल-बाल बच गए।

धरमजयगढ़ पुलिस ने किया मानव तस्करी रैकेट का भांडा फोड़

रायगढ़ (ए)। कापू और धरमजयगढ़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड करते हुए 4 नाबालिगों को आरोपितो के चंगुल से मुक्त कराकर उनके परिवारजन को सौंपा गया है। इस मामले में कापू पुलिस ने 3 आरोपियों को अपहरण और मानव तस्करी की संगीन धाराओं में गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेजा है। जिले के धरमजयगढ़ और लैलूंगा तहसील के कुछ गांव से युवक/युवतियों एवं नाबालिकों को महानगरों में अच्छा काम दिलाने के बहाने प्लेसमेंट एजेंसियो के हवाले किये जाने की घटनाएं पूर्व में आती रही है।

जिन पर प्रशासन व पुलिस द्वारा कार्यवाही से इन घटनाओं पर अंकुश लगाने की भरकस प्रयासरत है। वहीं थाना प्रभारी कापू निरीक्षक नारायण सिंह मरकाम को गत दिनों ग्रामीणों से सूचना मिली कि ग्राम पारेमेर का पुनाराम यादव, दुर्जन यादव और पुनाराम का लड़का खीरो सागर कुछ गांव में लड़के-लड़कियों को महानगरों में अच्छा काम दिलाने को लेकर चर्चा किया गया है। थाना प्रभारी द्वारा ग्रामीणों को उनके झांसे में ना आकर पुनाराम और उनके साथियों पर निगाह रखने कहते हुए उच्च अधिकारियों को जानकारी से अवगत कराया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार द्वारा सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा को अनुविभाग के थानों की टीम बनाकर संदेहियों को तत्काल हिरासत में लेकर विधि अनुरूप कार्यवाही का निर्देश दिया गया। इसी बीच 30 नवंबर के सुबह थाना प्रभारी कापू को पुनाराम यादव और उसके साथियों द्वारा क्षेत्र की 4 नाबालिक लड़कियों को काम दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर लाकर गांव से ले जाने की सूचना प्राप्त हुई। ततपश्चात थाना प्रभारी धरमजयगढ़ निरीक्षक अमित तिवारी द्वारा अपने थाने की टीम के साथ धरमजयगढ़ बस स्टैंड पहुंचे। जहां 3 व्यक्तियों के साथ 4 नाबालिक लड़कियां बस का इंतजार करते मिली। जिन पर संदेह होने से थाना प्रभारियों द्वारा तीनों व्यक्यिों से पूछताछ किया गया।

जवाब संतोषजनक प्राप्त नहीं होने पर महिला पुलिसकर्मियों द्वारा लड़कियों को अपने विश्वास में लेकर पूछताछ करने पर लड़कियों ने बताया कि वे तीन व्यक्ति उन्हें काम दिलाने के लिए बस से रायगढ़ और रायगढ़ से दूसरे शहर लेकर जा रहे हैं। थाना प्रभारी धरमजयगढ़ द्वारा थाना प्रभारी कापू को संदेहियों को हिरासत में लिये जाने की जानकारी साझा करने पर थाना प्रभारी कापू द्वारा गवाहों एवं बालिकों के परिजनों के समक्ष बालिकाओं को दस्तयाब कर उनके उम्र संबंधी दस्तावेजों की जांच किया जिसमें सभी लड़कियां नाबालिक पाई गई जिन्हें उनके परिजनों की सहमति के बिना आरोपियों द्वारा बहला-फुसलाकर अन्यत्र स्थान ले जाना पाया गया।

थाना प्रभारी कापू द्वारा अपहरण एवं मानव तस्करी के अपराध में तीनों दुर्जन यादव पिता भुवन यादव उम्र 40 साल खीरोसागर यादव पिता पुनाराम यादव उम्र 25 साल ,पुनाराम यादव पिता स्वर्गीय मुनू राम यादव 50 साल सभी निवासी पारेमेर थाना कापू जिला रायगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है ।

स्कूल-कॉलेज के सामने शराब दुकान बिलासपुर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को दरकिनार करते हुए प्रदेश भर के स्कूल-कॉलेज और धार्मिक स्थलों के आसपास शराब दुकानें खोल दी हैं। जिसे लेकर कई बार विरोध हुआ। इसके बाद भी शासन-प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। अब इस मामले पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने गंभीरता दिखाई है।

चीफजस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच ने मीडिया रिपोर्ट पर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई करते हुए राज्य शासन के साथ ही कलेक्टर और आबकारी विभाग के अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रदेश में कई जगह स्कूल-कॉलेज और अस्पताल के आसपास ही शराब की दुकानें है। जिनका स्थानीय स्तर पर विरोध भी हुआ। यहां शराब दुकानों में आए दिन मारपीट, गुंडागर्दी और छेड़खानी जैसी घटनाएं होती हैं। जिसके चलते स्कूली बच्चों के साथ ही आम लोग भी परेशान होते हैं। बिलासपुर के साथ ही प्रदेश में कई जगहों पर स्कूल-कॉलेजों, अस्पतालों और धार्मिक स्थलों के आसपास से शराब दुकानों को हटाने की मांग की गई। धरना-प्रदर्शन और आंदोलन भी हुए, लेकिन न तो आबकारी विभाग ने कोई ध्यान दिया और न ही कलेक्टर ने लोगों की मांगें सुनीं। शराब दुकानों के बाहर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

सुप्रीम कोर्ट ने शराब दुकानें संचालित करने के लिए राज्य शासन को नियम बनाने के निर्देश दिए थे। नियमानुसार ऐसे चिन्हित स्थानों और हाईवे से कम से कम 500 मीटर से ज्यादा दूर पर शराब दुकान संचालित करने का प्रावधान किया गया है। बावजूद इसके राजस्व के लिए ना तो आबकारी विभाग ने इसे गंभीरता से लिया और ना ही प्रशासन ने जनता की भावनाओं पर ध्यान दिया।

शराब दुकानों का विरोध, चखना सेंटर सहित आबकारी विभाग की मनमानी के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें आती रही हैं। इन मीडिया रिपोर्ट्स पर अब हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इसे जनहित याचिका के तौर पर स्वीकार करते हुए राज्य शासन, आबकारी विभाग और कलेक्टर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

शराब पीने रुपए नहीं देने पर चाकू से किया वार, गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। धारदार चाकू दिखाकर लोगों को डरा-धमका कर मारपीट करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पुलिस ने एक चाकू बरामद किया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

आरोपी हीरालाल उर्फखोटली ध्रुव पुराना बस स्टैण्ड करबला क्षेत्र में अनिल पांडेय कबाड़ी के यहां काम करता है। रात 10 बजे खोटली अपने दो अन्य साथी के साथ शराब पीने के लिए पैसे की मांग करते हुए सावन कुमार गुप्ता से गाली गलौज कर रहा था। मना करने पर उसने जान से मारने की धमकी देते हुए दुकान में तोड़फोड़ की और हाथ में रखे चाकू से वार करने की कोशिश की। पीड़ित की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी खोटली को हथियार के साथ गिरफ्तार किया।

कांकेर में नक्सलियों ने ग्रामीण को उतारा मौत के घाट, शव के पास पर्चे फेंक ली हत्या की जिम्मेदारी, तीन दिन में दूसरी हत्या

कांकेर (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर में एक बार फिर नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है। खबरों के अनुसार पखांजूर में नक्सलियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। नक्सलियों ने ग्रामीण के शव के पास पर्चे भी फेंके हैं। जिसमें नक्सलियों ने ग्रामीण की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने पर्चे को जब्त कर इलाके में सर्चिंग बढ़ा दी है। बतादें कि दो दिन पहले नक्सलियों ने जनअदालत लगाकर उपसरपंच रामशु कचलामी की हत्या कर दी थी।

दरअसल, यह घटना पखांजूर के कोरची थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण कोरची थाना क्षेत्र का रहने वाला था। नक्सलियों ने ग्रामीण पर पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाते हुए उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने ग्रामीण के शव के पास पर्चे भी फेंके हैं।

नक्सलियों ने की उपसरपंच की हत्या

दो दिन पहले ग्राम पंचायत कंदाड़ी के उपसरपंच रामशु कचलामी को 29 नवंबर की रात जनअदालत लगाकर मुखबिरी के आरोप में मौत के घाट उतार दिया। नक्सलियों ने अचिनपुर गांव के पास पर्चा फेंककर इस घटना की जिम्मेदारी ली थी। इसके साथ ही अचिनपुर और बुरका गांव में सड़क खोदकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। साथ ही बुरका गांव में लगे निजी कंपनी के टावर को नक्सलियो ने आग के हवाले कर दिया था।

इसके अलावा बेलगाल चौक समेत विभिन्न जगहों पर नक्सलियों ने भारी मात्रा में बेनर पोस्टर चस्पा किया है। जिसमें दो दिसंबर से आठ दिसंबर तक पूरे देशभर में पीएलजीए सप्ताह मनाने की अपील की है। दरअसल पीएलजीए को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कहा जाता है। नक्सलियों ने इस संगठन की स्थापना साल 2000 में की थी।

दुकान में लगी भीषण आग, जिंदा जला डॉग दुर्ग में पति-पत्नी भी बचाते समय झुलसे

भिलाई। भिलाई में वैशाली नगर थाना क्षेत्र के रामनगर शनि मंदिर के पास बीएलवीके चश्मा दुकान में रविवार रात आग लग गई। आग की चपेट में पालतू डॉग आ गया। उसे बचाने में दुकान मालिक समीर कुमार गुप्ता और उनकी पत्नी भी झुलस गए। अधिक जल जाने से समीर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जिला सेनानी नगर सेना और जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें रात करीब 9.30 बजे सूचना मिली थी कि भिलाई के राम नगर क्षेत्र में आग लगी है। उन्होंने देखा कि बंशीलाल विनोद कुमार ऑप्टिकल हाउस में आग लगी है। इसी दुकान के पीछे मकान मालिक भी रहते हैं। सभी लोग आग को बुझाने में लगे हुए थे।

दमकल कर्मियों ने तुरंत पूरे एरिया को अपने कंट्रोल में लिया। लगभग दो घंटे की कड़ी मसक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने रात 12.30 बजे आग पर काबू पा लिया। दुर्घटना के दौरान मौके पर काफी भीड़ मौजूद रही। वैशाली नगर पुलिस भी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पहुंची थी।

बड़ी अनहोनी टली, पूरी दुकान जलकर राख

दुकान के मालिक समीर कुमार गुप्ता ने बताया कि आग से उनका काफी बड़ा नुकसान हुआ है। आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। आग से पूरी दुकान जल गई। गनीमत यह रही कि आग अधिक नहीं बढ़ पाई, नहीं तो पीछे समीर गुप्ता अपने परिवार के साथ रहते हैं और उनकी चश्मे की दुकान के ठीक ऊपर जिम सेंटर भी था।

डॉग को बचाने में मालिक झुलसे

प्रत्यक्षदर्शी योगेश ने बताया कि दुकान समीर कुमार गुप्ता की थी। दुकान के पास ही उनका पालतू डॉग भी बधा रहता है। आग लगने से उनका कुत्ता जलने लगा था। उसे भौंकता देख समीर गुप्ता भागे और उसे बचाने का पूरा प्रयास किया। दुर्भाग्य से वो अपने डॉग को नहीं बचा पाए। डॉग को बचाने के प्रयास में समीर गुप्ता का हाथ और पीठ झुलस गया। वहीं उनकी पत्नी का हाथ भी जला है।

मोपेड को कार ने मारी टक्कर, महिला और बच्चे की मौके पर हो गई मौत

बिलासपुर (ए)। मल्हार के ग्राम चकरबेढ़ा के नजदीक एक मोपेड सवार को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। घटना में मोपेड सवार एक महिला और बच्चे की मौके पर मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायलों को मस्तूरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जांजगीर-चांपा के ग्राम परसदा रेमण्ड निवासी राम प्रसाद पटेल रविवार को मोपेड क्रमांक सीजी 11 बीजी 0495 से बलौदा बाजार से अपने घर आ रहे थे। उनके साथ पत्नी तुलसी बाई, बेटा जयंत पटेल, बेटी मानसी और भतीजा उमाकांत पटेल भी सवार थे। करीब दो बजे ग्राम चकरबेढ़ा के पास मेनरोड पर मस्तूरी की ओर आ रही तेज रफ्तार कार सीजी 10 एजेड 4320 के चालक ने सामने से टक्कर मार दी। घटना में तुलसी बाई और भतीजे उमाकांत पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राम प्रसाद, बेटा जयंत और बेटी मानसी घायल हो गए। तीनों को उपचार के लिए मस्तूरी सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मामले में मृतक के देवर की शिकायत पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

ग्रामीण ने कॉल कर दी परिजन को सूचना

घायल राम प्रसाद के भाई राम गोपाल पटेल को हेमंत पटेल ने कॉल कर हादसे की सूचना दी। तत्काल अपने पिता सुखदेव पटेल के साथ रामगोपाल घटना स्थल पहुंचे और देखा कि भाई राम प्रसाद पटेल, भाभी तुलसी पटेल व बच्चे सड़क पर ही पड़े हुए थे।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band.
Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भाजपा की जीत में चेम्बर की रही अहम् भूमिका, प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने किया व्यापारियों को एकजुट

सबसे पहले मतदान-फिर दुकान की दिलाई थी शपथ, पूरे प्रदेश के व्यापारियों को मिला समर्थन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली अभूतपूर्व विजय में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकामर्स एंड इंडस्ट्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकामर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री अजय भसीन की अगुवाई में चेम्बर ने इस चुनाव में न केवल पूरे प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया अपितु कई सीटों पर जमकर चुनाव प्रचार भी किया था। व्यापारियों को संगठित करने और चुनावी माहौल बनाने में चेम्बर ने महत्वपूर्ण काम किया। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकामर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री अजय भसीन की अगुवाई में व्यापारियों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई थी। इस दौरान बाजारों में घूम-घूम कर पहले मतदान फिर दुकान नाम से अभियान भी चलाया गया। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी को इतनी बड़ी जीत मिली है तो इसका एक कारण चेंबर का प्रयास भी है।

चेम्बर के मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने बताया कि मतदान से पहले चेम्बर ने अजय भसीन की अगुवाई में पूरे प्रदेश में व्यापक रूप से अभियान छेड़ा गया था। इस दौरान राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के पक्ष में वहां के व्यापारियों को संगठित किया गया और भाजपा के पक्ष में मतदान कराने की शपथ दिलाई गई। अभियान के तहत अजय भसीन ने दुर्ग शहर में भाजपा प्रत्याशी गजेंद्र यादव के लिए चेम्बर के सभी व्यापारियों को एकजुट किया।

वैशाली नगर में रिकेश सेन की सभाओं में भाजपा को मतदान करने की अपील की। इसके साथ ही रायगढ़ में ओपी चौधरी के पक्ष में भी प्रचार की कमान संभाली। साथ ही सक्ती, चाम्पा, रायपुर, पाटन, अहिवारा, दुर्ग ग्रामीण, गुंडरदेही, बालोद समेत कई अन्य विधानसभा क्षेत्रों में व्यापारियों को एक सूत्र पिरोने का कार्य किया गया। शंकर सचदेव ने बताया कि सभी व्यापारियों ने एक अच्छे शासन की चाह में भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाने में कोई कसर नही छोड़ी।

पहले मतदान फिर दुकान की अपील रही सफल

प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने अभियान के माध्यम से व्यापारियों में मतदान के प्रति जागरूक करने सभी व्यापारियों को पहले मतदान फिर दुकान का संदेश देकर शपथ दिलाई। प्रदेशव्यापी इस अभियान में अजय भसीन के साथ सुनील मिश्रा, शंकर सचदेव, ठाकुर गौतम सिंह, चिन्ना राव, हरीश शर्मा, दिलीप इसरानी, मनोहर कृष्णानी, राम ओबेरॉय, संतोष जायसवाल, विनय सिंह, नीलेश सेठ सहित अनेक व्यापारी साथ रहे। छत्तीसगढ़ में भाजपा की इस अभूतपूर्व जीत पर प्रदेश चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सभी व्यापारियों ने उनका धन्यवाद किया।

संकल्प के साथ ही अभियान की शुरुआत

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ की प्रदेश चेंबर के महामंत्री अजय भसीन ने एक संकल्प के साथ अभियान की शुरुआत की। चेंबर ने पहले ही ठान लिया था कि भारतीय जनता पार्टी को जिताना है। इस अभियान के संदर्भ में प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने प्रदेश में कांग्रेस के सामने भाजपा के लिए माहौल बनाना एक चुनौती थी। पूरे प्रदेश में कांग्रेस द्वारा जो घोषणाएं की की गई उसके विपरीत भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास लाने के लिए अभियान की शुरुआत की। चेंबर ने न केवल व्यापारियों को एकजुट किया बल्कि जगह जगह जाकर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विजन के बारे में बताया गया। अजय भसीन ने बताया कि हमारा प्रयास सफल रहा और व्यापारियों के साथ आम लोगों ने भाजपा को भरपूर समर्थन देते हुए बड़ी जीत दिलाई है।

लोगों के लिए मोदी की गारंटी और व्यापारियों के लिए अजय भसीन की गारंटी

छत्तीसगढ़ में व्यापारियों के बीच चेंबर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन की गारंटी महत्वपूर्ण रही। छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान मोदी की गारंटी की चर्चा रही। लोगों को मोदी की महतारी वंदन योजना, 500 रुपए में सिलेंडर सहित अन्य गारंटियां महत्वपूर्ण हैं। उसी प्रकार व्यापारियों के बीच अजय भसीन की गारंटी का जोर दिखा। इस अभियान में प्रदेश के हर उस जिले में जाकर व्यापारियों को संगठित किया उन्हें शपथ दिलाई। यहां तक की दुकानदारों के स्टाफ व दुकान में आने वाले सभी ग्राहकों को भी भारतीय जनता पार्टी को मतदान देने का संकल्प दिलाया। प्रदेश में भाजपा की जीत पर प्रदेश के व्यापारियों ने अजय भसीन का अभिनंदन किया। सभी व्यापारियों ने इस अभियान को सार्थक व व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अभियान को सभी व्यापारियों ने दिल से समर्थन दिया अनेक व्यापारियों ने तो यह भी कह दिया कि देश मे मोदी जी की गारंटी है हम व्यापारियों को अजय भसीन की गारंटी है।

दुर्ग जिले के 4 विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा, कांग्रेस के हाथ आई सिर्फ 2 सीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के हाईप्रोफाईल सीट माने जाने वाले गृह जिला दुर्ग में कांग्रेस पार्टी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

जिले के कुल 6 विधानसभा सीटों में से दुर्ग शहर में भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण में भाजपा प्रत्याशी ललित चंद्राकर, वैशालीनगर में भाजपा प्रत्याशी रिकेश सेन और अहिवारा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, मुख्यमंत्री भूपेश पाटन से और कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र यादव भिलाई नगर विधानसभा से जीत दर्ज की है। दुर्ग ग्रामीण विस से गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू,दुर्ग शहर से कांग्रेस प्रत्याशी अरुण वोरा, वैशाली नगर से कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चंद्राकर,अहिवारा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी निर्मल कोसरे भारी मतो के अंतर से जीते है। दुर्ग जिले के 4 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का कब्जा तथा कांग्रेस को सिर्फ 2 विधानसभा सीटों पर ही जीत से संतोष करना पड़ा। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केवल दुर्ग जिले की 1 सीट वैशालीनगर में ही जीत दर्ज की थी। इस बार भी भाजपा इस विधानसभा सीट पर अपना परचम लहराने सफल रही है। जिले के 4 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की जीत मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ता ढोल-बाजा के साथ मतगणना स्थल के पास पहुंचे और नाच-गाकर अपनी खुशियों का ईजहार करते रहे, वहीं मतगणना के बाद आ रहे रुझानों ने कांग्रेस खेमें को हैरत में डाल दिया है। यह हैरत कार्यकर्ताओं के चेहरों पर मायूसी के रुप में साफ झलक रही है।

पीएम मोदी की गारंटी पर जनता ने लगाई मुहर - सरोज पाण्डेय

राज्य के मतदाताओं को स्वच्छ प्रशासन चाहिए, मुफ्त की रेवड़ी नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने आज छत्तीसगढ़ की 90 विधानसाभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी की जीत और बढ़त के लिए प्रदेश की समस्त मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है । उन्होनें इस चुनावी स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि प्रदेश की जनता ने माननीय नरेन्द्र मोदी जी की ग्यारंटी पर अपना विश्वास जताया है ।

उन्होनें प्रधानमंत्री जी के कार्यो पर अपना मुहर लगाया है । प्रधानमंत्री जी के महतारी वंदन योजना, महिलाओं को साल में 12000 रु0 देने की योजना, 2700 में गेंहूॅ की खरीदी, 450 रुपये में गैस सिलेडर, लाडली बहनों को पक्के मकान, हर एसटी ब्लॉक में मेडिकल कालेज खुलेगा, गरीब परिवार के बच्चों को 12 वीं तक की शिक्षा फ्री, आदिवासी कल्याण के लिए 3 लाख करोड़ रुपये जैसी योजनाओं जैसे कार्यो पर विश्वास किया । जनता कांग्रेस की भ्रष्टाचार नीति, वादा खिलाफी से नाराज थे और उन्होनें प्रदेश में एक स्वच्छ प्रशासन के लिए अपना मत भाजपा को देकर जीत दिला रही है ।

सोशल इंजीनियरिंग साधने वाले मुख्य मंत्री श्री भूपेश बघेल कांग्रेस की घोषणाओं को करके मुगालते में रहे । राज्य के मतदाता भारतीय जनता पार्टी की मुख्य राष्ट्रीय धारा से जुड़ चुके हैं और इसका परिणाम सामने है । भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीत रही है । उन्होनें कहा राज्य के मतदाताओं को प्रदेश में भ्रष्टाचार, लूट, और वादा खिलाफी वाली सरकार नहीं चाहिए। उन्हें एक स्वच्छ प्रशासन चाहिए जो जनता के हित में काम कर सके प्रदेश का विकास कर सके।

उन्होनें अपनी प्रतिक्रया व्यक्त करते हुये कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी होती है । राज्य की जनता में नेताओं के दावे, घोषणाएॅ एवं खैरात देने का वादा मायने नहीं रखता। छत्तीसगढ़ प्रदेश में आज जो भ्रष्टाचार हुआ है चाहे वह सरकार का शराब घोटाला हो, कोयला घोटाला हो, चाहे वह पीएससी भर्ती घोटाला हो इस तरह के भ्रष्टाचार की वजह से जनता ने कांग्रेस को आज खारिज कर दिया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950